MISSION TION **TRANSI** NATIONAI



सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय अनुवाद मिशन TIONAL TRANSLATION MISSIO

राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, भा भा सं, मैसूर IATIONAL TRANSLATION MISSION, CIIL, MYSOI



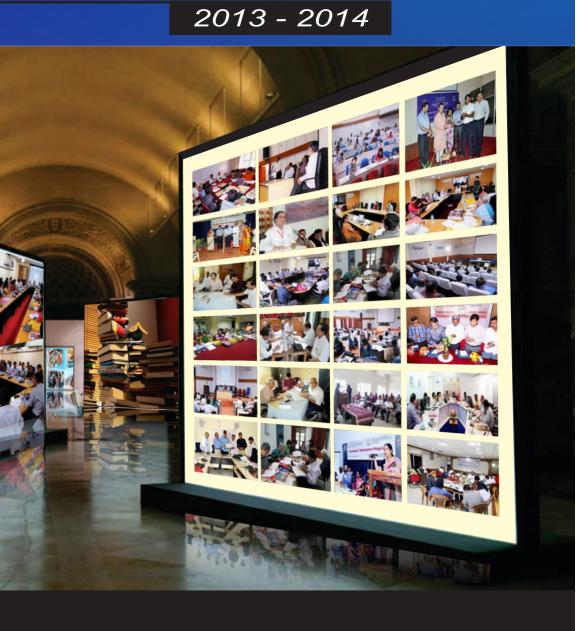
NATIONAL TRANSLATION MISSION Central Institute of Indian Languages

(Dept of Higher Education, Ministry of Human Resource Development, Government of India) Manasagangotri, Mysore-570006

Prof. Awadesh Kumar Mishra Director, CIIL & Nodal Officer, NTM Phone: 0821-2345006, 2515820 Fax: 0821-2515032 Email:Email: akmishraciil@yahoo.com Website:www.ciil.org Prof. V. Saratchandran Nair Project Director Phone: 0821-2345214 Office: 0821-2345217, Fax: 0821-2345218, Email:projectdirector.ntm@gmail.com, ntmoffice@gmail.com Website: www.ntm.org.in

Annual Report

NTM



www.ntm.org.in

Nodal Officer

Prof. Awadesh Kumar Mishra

Editor-In-Chief

Prof. V. Saratchandran Nair

Editors

Dr. Sunetra Sholapurkar Mr. Seby Fernandes

Events Team

Dr. Manjulakshi L. Mr. Seby Fernandes Ms. Seethalakshmi M. L.

Layout & Design

Mr. Nandakumar L.

ನಮ್ಮ ದೇಶದಲ್ಲಿರುವ 22 ಪ್ರಾದೇಶಿ ಭಾಷೆಗಳ ವಿಜ್ಞಾನ–ತಂತ್ರಜ್ಞಾನದ ಪುಸ್ತಕಗಳು ವೈಜ್ಞಾನಿಕ ಪರಿಭಾಷೆಯೇ ಇಲ್ಲ. ಅಲ್ಲಿಯ ಸಂಗ್ಲಿಷ್ ಭಾಷೆಯೇ ಸೇರಿಕೊಂಡಿದೆ. ಹಾಗಾಗಿ ಹತ್ತನೇ ತರಗತಿವರೆಗೆ ತಮ್ಮದೇ ಮ

> ರಾಷ್ಟೀಯ ಅನುವಾದ ಮಿಶನ್ ಹಾಗೂ ಕುವೆಂಪು ಕನ್ನಡ ಅಧ್ಯಯನ ಸಂಸ್ಥೆ ಆಶ್ರಯದಲ್ಲಿ ಬುಧವಾರ ಮೈಸೂರಿನಲ್ಲಿ ಆರಂಭವಾದ ಅನುಃ ಸಂಬಂಧಿ ಕಾರ್ಯಾಗಾರವನು ಮಿಶನ್ ನ ಯೋಜನಾ ನಿರ್ದೇಶಕ ಪ್ರೊ. ವಿ. ಶರತ್ ಚಂದ್ರನ್ ನಾಯರ್ ಉದಾಟಿಸಿದರು. ಪ್ರೊ. ಮು ಆಸಾದಿ, ಪೊ. ಎನ್. ಎಂ. ತಳವಾರ್ ಹಾಜರಿದರು.

. ಡಿಯುತ್ತದೆ. ಉನ್ನತ ಶಿಕ್ಷಣ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡಮಟ್ಟದ ಕೆಲಸ ಆಗಬೇಕಿದೆ. ಇದುವ ಳಲ್ಲಿ ಈ ಕೆಲಸ ನಡೆದಿದೆ. ಲಭ್ಯವಾಗುವ ಪತ್ಯಪ್ರನಕಗಳು ಸಂಪೂರ್ಣ ರೆಗೂ ಸುಮಾರು 30 ಸಾವಿರ ಶಬ್ದಗಳನ್ನು ಗು ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಜಿ.ಟಿ.ನಾರಾಯಣ ತೆಯೇ ಸಿಗುತ್ತಿಲ್ಲ. ಆಂಗ್ಲಮಯ ಆಗಿರುತ್ತವೆ. ಈ ಎಲ್ಲ ಕೊರತೆಗೆ ರುತಿಸಲಾಗಿದ್ದು, ಇವುಗಳಿಗೆ ಪ್ರಾದೇಶಿಕ ರಾವ್ ಅವರಂಥ ವಿಷ್ಣಾನ ಲೇಖಕರು ಸಾಹಿತ್ಯೆ ಇಂಗ್ಲಿಷ್ ಹಾ

THE TIMES OF INDIA Experts explore Namma Kannada words at workshop () (के कि का अग)। अगिर अम ह्याइरारलमा विभारिम का शब्दायर्थने विनिष्ठि उक निम नीप्रमा अभिनृत्री विनिष्ठि उक निमित्ता अभिनृत्रि के विनिष्ठि उक्ष निष्ठिः ((राष राष्ट्रीक, दिष्ठेत, (पार्ष राष्ट्रिक, याहे के विनिष्ठ)

TIMES NEWS NETWORK

ವಿಕ ಸುದ್ದಿಲೋಕ ಮೈಸೂರು ಭಾರತದ ಎಲ್ಲ 22 ಭಾಷೆಗಳಿಗೆ ವೈಜ್ಞಾನಿಕ ಮತ್ತು ತಾಂತ್ರಿಕ ಪರಿಭಾಷೆಯನ್ನು ರಚಿಸುವ

ಚಂದನ್ ನಾಯರ್ ಹೇಳಿದರು.

ಬೃಹತ್ ಕೆಲಸವನ್ನು ರಾಷ್ಟೀಯ ಅನುವಾಗ

ಮಶನ್ ಕೈಗತ್ತಿಕೊಂಡಿದೆ ಎಂದು ಮಿಶನ್

ಯೋಜನಾ ನಿರ್ದೇಶಕ ಪ್ರೊ. ವಿ. ಶರತ್

ಮಿಶನ್ ಹಾಗೂ ಕುವೆಂಪು ಕನ್ನಡ ಅಧ್ಯಯ

ನಂಸ್ಥೆ ಸಂಯುಕ್ತ ಆಶ್ರಯದಲ್ಲಿ ಬುಧವಾ

ಕಾರ್ಯಾಗಾರ ಉದಾಟಿಸಿ ಅವರು ಮಾ

ತ್ರಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ(ಪ್ರಾದೇಶಿಕ) ಕಲಿತು ಬರುವ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ, ಪಿಯುಸಿ ಹಾಗೂ ನಂತ ರದ ಉನ್ನತ ಶಿಕ್ಷಣ ಕಷ್ಟ ಅನಿಸುತ್ತಿದೆ.

ಇಂಗ್ರಿಷ್ ನಲ್ಲಿರುವ ಪರಿಭಾಷೆ ಅವರಿಗೆ

ಅರ್ಥವಾಗಲು ಒಂದೂವರೆ ವರ್ಷ

ವಾದ 'ಇತಿಹಾಸ ಮತು ರಾಜತ

ಪಾರಿಬಾಷಿಕ ಪದ

Mysore: These 30 experts are research and development on istry mathematics, and social and fraction on or istry mathematics, and social and fractions on or istry mathematics, and social and fractions of or istry mathematics, and social and fractions of the social and the soci on a mission exploring Kannada words for technical terms at the four-day work- cation through short term orishop on preparation of glossary for history and political science in Kannada that began at Kuvempu Institute of Kannada Studies here on Vednesday.

thesauri, provide support for will make glossary for chem alerner constant constant software for translation, science subjects too. We will a subject of the word-finders, translator edu-cation through shortterm ori-entation programmes, proentation programmes , provide accreditation for translators, fellowships and

MAKING OF GLOSSARY grants for research projects

V Saratchandran Nair, director, National NTM).

and promote of machine anslation and machine-aid-

লেঙ্গেইজ প্লায়িং এব্দ ইমপ্লিমেন্ডেস্যা ান্দুনা মণিপুৰী তৰ্মিলোজি শেহপী मठाइमा था अभिश्री ১৯ माउना मुमिर নি চুপ্রা চথপদবা রাকশোপ অমা সি এস সি ই আর তিগী কনফেরেস হালদা হৌদোকৰে।

হৌদোকপুরী ধৌরম অদুলা নঙ্গেইজ প্লায়িং এন্দ ইমপ্লিমেন্তে নগী শিরেন্ডর, কেঐচ রঘুমণিনা সিদেন্ত অমসুং আ ঠস এন্দ লচবগী কন্দ্মিন্নৰ দাঃ আৰ কে মাই, আই এ এস অমসুং লা: সিঐচ লারমনিনা গেন্ত ওব ওনর ওইখি। আর কে নিমাইনা হায়খি, মণিপুর নেমেত্তকী দিপাৰ্তমেত ওব राजादेख श्रामिः अन्य देमश्रिरमरस्त्रमा খুনা অছ, হিন্তি, পোলিতিকেল জ অমসং ফিলোজেফিলী ওইবা পুরী লোলগী তর্মিলোজি শেহগী ৰ্দসোপ অমা পাঙগোক্লিৰসি বাস্তা চবা খোঙথাং অমনি। থোঙথাং সনা মণিপুরী লোনৰু চাওগং-

বদা সউনা মতের ওইগনি। মণিপুরী জোন্দা মপানগী জোন শিল্পকপা চহী খুদীংগী হেনগংকি। শিল্পকিবা লোনশিং অসিনা



১০-১৫ ফাওবা শীজিয়রি। লেজবহা তামশিং অভেয়োলোলা শীজিয়রিবা লোনশিং অসিদা শিলহনথিবদি তেরেটদবনি হায়না আ ঐবোয়ন্বী যেলাহোঁ - ঐব্যোয়ন্দী যেলহৌংঙণী ওইবা লোশি দাঃ নিমাইনা হায়খি।



ತಿಳವಳಿಕೆಗೆ ಇಂಗ್ಲಿಷ್ ಪ್ರಪಂಚದಲ್ಲಿ ಮ ಇಂಗ್ಲಿಷ್ ಹಾಗೂ ಪ್ರಾದೇಶಿಕ ಭಾ

al," he said. Muzaffar H Assadi, professor, department of studies in श्रीकृष्ण मंडळाच्या political science, the Univer स्पर्धाचा निकाल

sity of Mysore, said there is alintellectual an discourse gap. "Many find it difficult to

pronounce words. Therefore pronounce words. Therefore along with experts, we are al-so here to develop this glos so here to develop this glos and a frame उदीतवामारे (कारका स्वय (कारक ल)-प्रयाः करेव कार्यका व्यक्त उदीतवामारे (कारक ल)-प्रयाः करेव कार्यका व्यक्त उदीतवामारे कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका व्यक्त कार्यका कार कार्यका कार्यका कार कार्यका कार्यका कार्यका कार्यका कार्य

tools such as dictionaries and teach them in Kannada. Weren निमालमन भिमन, भी यादे

दिवाणी प्रकरने हाताळली जाणार आहेत.

हजनुव (न. वा.)

गुढे-विवोती येथील श्रीकृष्ण मंडळालर्फे वार्षिक शैकृष्ण पूबनोत्सवा निमित्त घेण्यात आलेल्या विविध स्पर्धीचा निकत जाहीर करण्यात आला

মণিপুরী তর্মিলোজি শেম্বগী ৱার্কসোপ হৌদোকখে र सांबा नाईक ते आगस्त : राहुल

tates, Philasola" al

হৈ জিক মী অন্যাহনা ব্যাবনা ব্যাবনাৰ বহু তুহনা না অনুসা পোন্দ চাৰা ৩০-৩৫ রোমর হৈ জিক মী অন্যান্দনা কহৈ পরেং অমা অমুপা পাউ ফাওনহনবা অধুনি। ভয়ববনি া আয়া দক্তি মণাদনা ভাঙনবা হোৎনবদা ইংলিস রাহে ভৌবত বুলম্পম অসিগী হারা পৃশিন্নকপা লোন ডাজনা মহল লৈজবন্থা তামশিং অতেয়ো লোমা শিষ্টিয়ায়বনি। অধুবু লোন অদ শিলহনখিবনি ভেঁরোইদবনি হায়না মালেমহাইনাত খুনবহামনিং হুলো আন কেন্দ্রা হার্য কেন্দ্রা হার্য না মালেমহাইনাত খুনবহামনিং হুলো

বাল দেশাৰণা কলোৰ। মহাক্ৰা মখা তানা হাল, মালেমুধী লোফি শেষ্ণী ৱাকসোপ অসিদ

পোলিটিকেল সাইন এন্দ ফিলোসোফী) হায়বসিদ্দ নুমিং ৬নিগী ওইবা ব্লকলোপ অমা ৯সি ইম্ফালগী ন্দ্পাংহা লৈবো এস সী ঈ আর

कोकणी भाषेत पारिभाषिक

राब्दावली तयार करण्याची कार्यचाळा

नुकतीच संपत्र झाली. त्याचे आयोजन

राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, म्हैसूर आणि

गोवा मध्यवतीं वाचनालयाच्या संयुक्त

विद्यमाने करण्यात आले होते. दहा दिवस चाललेल्पा या कार्यशाळेत

राजशाख आजि समाजशाख विषयांच राब्दांना पर्यायी कोकणी शब्दावली

तयार करण्याचे काम करण्यात आले.

तज्ज्ञांना निमंत्रित करण्यात आले होते

या कार्यशाळेत भाग घेण्यासाठी ३४

सीएसटीटी प्रमाणित इतिहास.

টিসী বনযরেন হোলদা হৌদোবশ্রে।

লেঙ্গইজ প্লাগিং এন্দ ইমপ্লিমেলে শেমদোকুনা শীজিগরোইসি। তেল সনগী দিরেইর কে ঐচ রয়ুমনি, निमारे, आहे. এ अलना हेकाम अमनतिवा লেঙৰীরকপা ওইনা শরক য়াখি।

কন্মিসনর আর কে নিমাইনা থৌরমন্দা হায়, মণিপুরগী লোল চাউখংহরবগীদমন্ডা এসি রর্বলোপ অমা পাঙথোলিবা অসি অফবা অমনি। লোল অসি চাদা ৩০/৪০দি শক্তিনলক্তবনি। লোলয়ান অভন্নী মতিক য়াওরে, রাহৈ পরেং অমদা রাহৈ মঙা য়ান্দ্রবদি য়াদ্রে। ঐখোয়স লোল হাংপদা য়াওরিবনি।

মণিপুরগী ওইনা একাদেমীক্টী রর্কশোপ অসিদা টমিনোলে মফম লৈৱৰা মফম অমা ওইদুনা শেমদুনা মণিপুর গতর্নমেন্ট লৈরি ৷ অদুনা হালা লৈরন্বা লোলদি দিরেক্টেরেট ওফ লেজ্ইজ প্ললিং

হায়া লৈরস্বশিং অদুদি ঐথোয় হায়বা অসি ঐখোয়লী লে ওইরবনি। অদনা লোলগী পিরি। অসি থগাইদ্রবদি লোল মাঙলোই।

ধৌরমণ্ণা সিলা রুপমি दाग्रवि, युरनत्यात्री अहेना ला শিধরকণা অসি লোল ঙাং হত্রকপঙ্গী দংশা য়েছে। মৈতৈ ময়ে রুসে নাইন ফাউবা ত্যেবা মহৈরো শপোলশেন হায়বসি করিনো হয় য়াওরি। অজুনা মণা মণাশিংনা রাগ অহনবা মথ্যে অই।

নমিং ওনি চথগদৰা বৰ্কশো অসিনা একগর্ট ৪০না শকর যার্চি লোয়ননা মেঠমেটিল্ব, চিষ্টোরি পোলিটিকেল সাইস 🗤 ছিলোজেয়িলা মশিপরী টর্মিনোলে ৰিষ্ণিঃ হায়ৰসিদা পাঙধোঠি भिक्तिसारवा शास्त्रवनि। (लाल सारवत्रिल क्रिप्रियालॅकनल धागः करवनित्र

'अंकुर' निस

आजपासन

काणकोण (न. प्र.

बलराम नि

निसर्ग क्लबच्या

आयोजन केले आ

काणकोण येथील

वाणिज्य महाविद

आहे. अनेकांच्या बागायती माकडांनी नष्ट केत्या

केरी-सतरी परिसरात सध्या माकडांनी हैदोस घातला तसेव त्यांना हाकलण्यासाठी कोणी आल्यास

कोंकणी परिभाषा शब्दावली कार्यशाळा संपन्न शब्दावली प्रत्येक भाषेसाठी कशी

अनुवाद हा कशाप्रकारे बन्यापैकी रोजगार होऊ शकतो याविषयीही त्यांनी सांगितले दरम्यान, दहा दिवस चाललेल्या या कार्यशाळेत इतिहास, राजशास आणि समाजशास्त्र विषयांशी निगडित शब्दांना कोकणीत पर्यायी

शब्द तयार करण्याचे काम झाले. त्यासाठी मार्गदर्शक म्हणून सीएसटीटी तांत्रिक शब्दावली तसेच मराठीतील पारिभाषिक कोशांची मदत घेण्यात आली. वापरायला सोपे

महत्त्वाची आहे याबाबत सांगितले.

यांच्या हस्ते २९ आहे यावेळी व्या सौ. सविता तवा नाटककार, प्रा सामाजिक ज विषयावर मार्ग ३० रोजी

> सुनापरान्त पणजी गोंय शुक्रार 11 ऑक्टोबर 2013



আই এ এসনা ধৌরম মপু ওইদুনা ণাঙথোকখিবা ৱৰ্কশোপ হৌদোৰূপদী থৌনম অসম্পা আঁট ঞ কলচর, রাই এ এস এন্দ সেক্রেটরি ট গর্তনর ওইরিবা কশ্মিন্নর আর কে

Annual Report

April 2013 - March 2014



From PD's Desk

2013-14 was a memorable year for NTM as the former Secretary, MHRD Shri Ashok Thakurji visited CIIL and evinced keen interest to visit NTM. During his visit he also released the publications of NTM which was made possible due to the concerted efforts of our Director Shri Awadesh Kumar Mishra. One of the major tasks assigned to National Translation Mission is that it has to develop technical glossaries, which would facilitate translator in various languages. It was in this direction that when the Chairman of CSTT visited NTM there was a discussion in this regard and the staff of NTM embarked on the mission of developing Technical Glossaries in collaboration with faculty members of various universities in various disciplines and accordingly a road map was set up by selecting disciplines such as Physics, Chemistry, Mathematics, History, Political science, Sociology, Philosophy in the first phase.

During the year 2013-14 NTM conducted 43 programmes and developed more than 5 lakh technical terms. These terms would be published in collaboration with CSTT, New Delhi. Apart from this in order to hasten the work it was also decided to develop glossaries on line and as a first step preliminary work was done for the preparation of online glossary of Mathematics in Kannada. For dissemination of information a Handbook of NTM was brought out. Several workshops, orientation programmes and seminars were conducted successfully during the financial year. A renewed vigour was added and a discussion meeting held for reviving Translation Today, the journal of NTM.

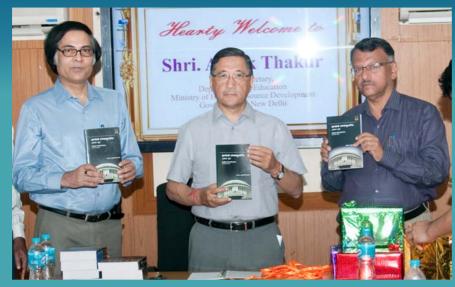
Another important milestone that we have achieved is that we have embarked on the mission of training young graduates/postgraduates and upcoming translators on the art of translation and the techniques involved in translation. They were exposed to 21 days training programme entitled *"Introduction to Translation."* Several Faculty members from various universities and NTM faculty members were involved in imparting knowledge in field of translation, both literary and non literary, including various aspects of machine translation and latest softwares in the field of translation including practical sessions. In total 247 participants from various parts of India were trained during 2013-2014.

Visit by trainees of Direct Taxes Regional Training Institute, Bangalore on 27th November, 2013 was another feather in our cap. A batch consisting of translators working in Income Tax Department all over India visited NTM. The visit was part of their outbound learning programme.

The following report is detailed account of the events at NTM in different parts of the country.

Page No.
09
20
27

Translated Knowledge Text Titles 2013-2014

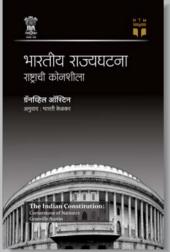


Bhaarata Raajyaangam: Deshaaniki

Muulastambham

Telugu translation of *The Indian Constitution: Cornerstone of a Nation* by Granville Austin, translated by Prabhakar Mandara.

Sri. Ashok Thakur, Secretary, MHRD releases the NTM translated book in Telugu (centre), Prof. Awadhesh Kumar Mishra, Director, CIIL (left) and Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director, NTM (right).



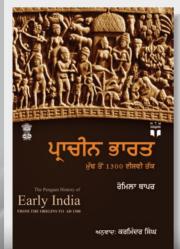
Bhartiya Rajyaghatana : Rashtrachi Konshila

Marathi Translation of The Indian Constitution: Cornerstone of a Nation by Granville Austin, translated by Bharti Kelkar

Carrier and a start and a star

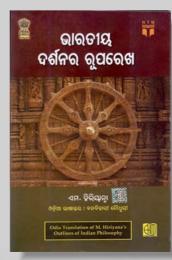
Adyakaalina Bharat Itihaasa (Praarambhar u 1300 masiha paryanta)

Odia translation of The Penguin History of Early India: From the Origins to AD 1300 by Romila Thapar, translated by Pritish Acharya



Praachin Bharat

Punjabi Translation of The Penguin History of Early India: From the Origins to AD 1300 by Romila Thapar, translated by Karminder Singh



Bharatiya Darshanara Ruparekha

Odia translation of *Outlines of Indian Philosophy* by M. Hiriyanna, translated by Banbihari Choudhury

Batch No. I Period : 19th June to 10th July 2013



The training programme for the first batch of 'Introduction to Translation' course was held from 19th June to 10th July 2013. There was overwhelming response to the course. More than 100 applications were received. The intake was enhanced from 25 to 40. A selected list of 40 with 5 more in waiting was announced for the first batch. Of which 35 applicants confirmed their participation in the Course. However, 29 candidates attended the Course. Nearly 11 Resource persons from different Universities, including CIIL were invited to give lectures on various aspects of translation. The course was designed in the following 8 Units:



- o Theories of translation
- o Translation: history, schools and theories
- o Translation studies and Linguistics

- o Literary translation
- o Culture and translation
- o Translation quality assessment
- o Scientific and technical translation
- o Machine translation



The above are broad areas of translation. The lectures covered are various topics of practical oriented of translation (see the enclosed the course schedule). Besides, the trainees were given some topics and a piece of translation (English into Indian languages) for presentation and to discuss the pros and cons in translating the passage into Indian languages well known to them. The response was very much encouraging and need for such training.

'Introduction to Translation Training Course'

Batch No. II Period : 15th July to 5th August 2013

The 2nd intensive course on Introduction to Translation commenced on 15th July, 2013 and concluded on 5th August, 2013. It was held in Committee Room No-2, Central Institute of Indian Languages, Mysore. The 21 day programme was divided into three parts; 1st part (1st week) included lectures on the aspects of translation, Linguistics and translation, history and practice of translation inIndia, 2nd part (2nd week) covered the lectures on the issues in translation of Knowledge Texts



(Social Sciences and sciences), and on the 3rd part (3rd week), training was imparted on Machine Translation and scientific and technical terminology. There were 29 participants getting training in this programme. They were from 8 languages and belonged to various parts of India.

It was inaugurated by Prof. Awadesh Kumar Mishra, Director, CIIL and Nodal officer, NTM, who gave a good explanation of the process of translation and the aspects of Linguistics after stating the purpose of training programme. Dr. Ramamoorthy, Programme Coordinator, spoke about the design of the 3- week training programme.

1st week

Prof. K.V.V.L. Narasimha Rao delivered lectures on the various aspects and art of translation, its growth and development. He explained about various definitions of translation given by scholars in the field of Translation Studies. His lectures mostly deal with the primary concepts of translation, problems (social, cultural, linguistic) of translation. Prof. P. P. Giridhar delivered lectures on the translation and nature of languages. He emphasized on translation as an exercise more of the linguistic phenomenon than that of society and culture. Prof. Giridhar also spoke on the composition of meaning by taking sign, signifier and signified into account. There were lectures on

Morphology and translation by Prof. K. S. Nagraj. It helped the trainees to know more about word formation in Indian languages. Prof. K. Sharma's lectures were on translation and science communication. He defined the domain of science and how it is different from other domains. How science communicates and how a translator look at science translation, have been welldiscussed in his classes. Prof. L. N. Aurora gave a clear picture of the principles of translation stated by different translation theorists. There were two lectures on Translation Evaluation by Prof. Panchanan Mohanty. He stated that evaluation is subjective phenomena and he highlighted the procedures of evaluation of translation. Prof. K. M. Sheriff's lectures on Translation and Media, Translation and Technology were dealing with the role of media and technology in translation. He gave some visual clips as examples which attracted the attention of the trainees. Prof. A. K. Singh taught the participants about the different schools of Translation Studies, the emergence of the discipline called Translation Studies, dissemination of knowledge in earlier times, history of



knowledge systems and the role of in them. Prof. S. K. Mishra delivered lectures on the translation history in Indian scenario. He enlightened the trainees about the history of translation since the vedic period. He explained about the ancient happenings

predominant in the translation scenario of Indian traditions.



There were two practice sessions, one on William Blake's Chimney Sweeper and another on a passage from Gandhi's *"The story of my experiment with truth."* These were given them as a part of their home assignment. Both sessions were fruitful for the trainees. After the discussion on their translations, they submitted the final copies to NTM.

2nd week

Prof. Rajendra Chenni delivered two lectures on issues in translating social science texts. He explained the participants about the critical post-structuralist discourse related to the translation of the texts in social sciences. He also taught about the difficulties in translating the conceptual terms like"Secularism", "Sanskritization" etc. By stating such examples, he emphasized that the translator should be careful in translating such terms. Prof. S. D. Singh spoke on translation as an act of communication and discussed about the philosophy in it. Prof. Saratchandran Nair's lectures on "Translation of Non-literary texts" were informative for the participants. He explained about the differences between the translation of literary-texts and the translation of non-literary texts. He also dealt with many aspects of scientific translation. Prof.Krupanandan delivered lectures on issues in translation. He dealt with every practical aspect that is necessary to make translation as a profession. Prof. Awadesh Kumar Mishra taught the participants on Linguistics and Translation. He explained many concepts of Semantics with lot of examples from Indian languages. Dr. Illangovan took a class on translation of Knowledge Texts. Mr. Abhisek Sarkar talked about decision making in translation. Dr. P. Matthew spoke on the role of the translator and the role of semantics in translation. Mr. Winston Cruz demonstrated all the activities of NTM. Prof. Tharekeshwar delivered lectures on problematizing the keyconcepts in Translation Studies. He took meaning, language and equivalence into account in his lectures. He explained critically about the translation as a process and as a product. There were two practice sessions in this week. One passage from Romila Thapar's "Early India" was given to the participants as their home assignment. They translated and came prepared to the practice sessions. They discussed the problems of translating the same text into their mother tongues. After the discussion, they submitted the final version to NTM.

3rdweek

Prof. Rajendran delivered two introductory lectures on Machine Translation and its various aspects. Dr. L. Ramamoorthy taught on issues in translating Knowledge Texts. He discussed about the issues that a translator confronts with while translating Knowledge Texts. He also guided the participants about coining scientific terms. Prof. Nadaraj Pillai took two classes on coining technical terms, borrowing, loan translation etc. He explained about all the aspects of scientific and technical terminology with examples from Indian languages. Mr. Aditya Kumar Panda delivered lectures on Translation, Authority and Practice and also on

described about various extra-linguistic factors (various ideological and political issues) which play roles in translation, as a process and translation as a product. Prof. S. N. Heade also took a class where he shared his experiences. Prof. M. Ganeshan's lectures were on the intricacies of the science of Machine Translation. He described about the achievements of Machine Translation so far and also about its shortcomings. Prof. Sam Mohan Lal took two classes on "Science Discourse and Translation". He dealt with the practical aspects of the translation of science texts. The participants were given a list of scientific and technical terminology as it was a part of their home assignment. They gave equivalents for each and every term and came prepared to the practice session where they discussed about the problems. Later, they submitted it to NTM.

At the end of the 3rd week, there was an examination to assess the knowledge level of the participants in translation. Valedictory session was held on 5th August, 2013. Dr. Rammoorthy, Course Coordinator, Prof. Balakumar, ADA and Director I/C, National Translation Mission, Dr. Srinivasacharya, Academic Secretary, CIIL were present in the session. Mr. Aditya Kumar Panda welcomed them all. All the participants gave their feedback on the programme. Dr. Ramamoorthy and Prof. Balakumar distributed certificates to the participants. Dr. P. Matthew gave vote of thanks.



'Introduction to Translation Training Course'

Batch No. III

Period : 12th August to 3rd September 2013



The 3rd intensive course on Introduction to Translation commenced on 12th August, 2013 and was concluded on 3rd September, 2013. It was held in Committee Room No-2, Central Institute of Indian Languages, Mysore. The 21 day programme was divided into three parts; 1st part (1st week) included lectures on the aspects of translation, Linguistics and translation, history and practice of translation in India, 2^{nd} part (2^{nd} week) covered the lectures on the issues in translation of Knowledge Texts (Social Sciences and sciences), and on the 3rd part (3rd week), training was imparted on Machine Translation and scientific and technical terminology. There were 24 participants getting training in this programme. They were from 11 languages and belonged to various parts of India.

It was inaugurated by Prof. Awadesh Kumar Mishra, Director, CIIL and Nodal officer, NTM, who spoke about the purpose of the training programme. Dr. Ramamoorthy, Programme Coordinator, welcomed all and elaborated on the design of the 3-week training programme. After the inaugural session, Dr. P. Matthew, Senior Academic Consultant, NTM, gave a presentation on National Translation

Mission. He explained about the aims and objectives of NTM and various works carried out by NTM.



1st week

Prof. P.P. Giridhar delivered lectures on the nature of languages and translation. He described about sign, signifier and signified and the composition of meaning. He emphasized that whatever is expressible in language can be translated. But he also discussed about what cannot be translated, like music, rhythm etc. With the help of language only, human beings can perceive the external world. Dr. P. Matthew took a class on the role of translator. He explained about the prerequisites for a translator. He emphasized on language competency, comprehensibility and on critical and creative ability for the Knowledge Texts translators. Prof. L. N. Aurora's lectures were on principles and practice of translation. He discussed about interpretation, rendering, version and rewriting. Prof. K. V. V. L. Narasimha Rao delivered two lectures on art of translation. He elaborated on various types of translation. He also elucidated on metaphrase and paraphrase. Prof. Panchanan Mohanty spoke on the nature and scope of translation. He discussed about Roman Jakobson's three types of translation. He also guided the participants on translation evaluation. Dr. Susan Daniel took a class on how does translation help in understanding the world. Dr. K. M. Sherriff explained the role of translators in modern

world that is advancing technologically. He provided information on the tools for translators in this century. Prof. A.K Singh delivered lectures on the theory, process and practice of translation. He stated that theory emerges to govern the principles behind translation from the real practice of translation. He raised fundamental guestions on the originality of a text. He said, when a translator intends to translate a text, he is already having a preconceived text. He has to understand the source text and negotiate with the target language. Prof. SK Mishra took classes on the translation history in Indian scenario. He discussed about various phases of translation history in India since Vedic period. He stated that translation doesn't mean just change of language, time factor makes a lot of difference.



2nd week

Prof. Rajendra Chenni spoke on issues in translating social science texts. He stated that all the translation theories are Eurocentric and could not resolve most of the issues in the translation of social science texts. Prof. Sharatchandra Nair delivered lectures on the translation of non-literary texts. He differentiated non-literary texts from literary texts. He elucidated the different features. He also explained about the problems that a non-literary text translator will confront with. Prof. Krupanandan emphasized that translation is useful for national integration, making regional language capable of becoming medium of instruction, for bringing standardization and modernization of

languages. Prof.Nadaraj Pillai took two classes on coining of scientific and technical terminology. He elucidated various parameters of coining scientific and technical terminology with examples from Indian languages.



Dr. Mamta Sagar spoke on issues in creative translation. She took poetry into account and viewed that every translation is a creative translation. To her, translation is now the need of culture, society and politics. She also recited lot of poems in translation and analyzed them. She distributed some poems to the participants and asked them to translate. Prof. K. Sharma delivered lectures on translation and science communication. He stated that the scientific translator should translate the text accurately, naturally and he should concentrate on its communicative aspects. He also spoke on how important is glossary for the translation of Knowledge Texts. Dr. Arulsevan brought a new practical dimension to the programme. He distributed the script of the movie, "Life of Pie" and asked the participants to translate into their mother tongues. He explained about the technology required for subtitling. Dr. Michael Noel took classes on translation of science texts. He stated that translating knowledge text is a specialized type of translation so the translator must have aptitude, understanding and skill in the concerned subject. Dr. Vinod Sandelesh delivered a lecture on the translation of administrative terminology in Hindi. He gave lot of examples from Hindi and analyzed them with dynamic approach.

3rd week

Prof. K. L. Verma delivered a lecture on the scientific and technical terminology. He elucidated the parameters and principles for scientific and technical terminology in Hindi and other Indian languages prescribed by Commission for Scientific and Technical Terminology. Prof. Yogananda took a class on technological issues in translation. Dr. Anil Sharma spoke on the problems of translation. He described the problems of structural differences in translation from a language to another. Prof. Sam Mohan Lal taught the participants about translation and scientific discourse. Prof. Ramamoorthy spoke on the notions that differentiate the scientific translation from literary translation. He also stated that it is an art which requires aptitude, practice and general knowledge. He also described about various features of scientific and technical terminology. Mr. Winston Cruz spoke on translation evaluation and mechanism of NTM certification. Mr. Abhisek Sarkar took a class on decision making in translation. Prof. B. N. Patnaik delivered lectures on Linguistics, discourse and translation. He discussed about the knowledge of linguistics required for a translator and how should the translator perceive the language he/she is translating. Prof. M. Ganeshan



delivered lectures on Machine Translation. He elaborated various aspects of Machine Translation. Mr. Aditya Kumar Panda took a class on Translation, Authority and Practice. He stated that a translator under an authority is not a free agent, the translator has to abide by the limitations which an authority imposes. He cited examples of many translated texts and discussed the political and ideological issues concerning those texts.



There were practice sessions in all the three weeks. They were given texts from literature, Sociology, legal document and a list of scientific and technical terminology. After discussion with the resource persons, they submitted the final copies to NTM. There was an examination to assess the participant's knowledge of translation after the programme. Valedictory session was held on 3rd September,2013. Prof.Avadesh Kumar Mishra, Director, CIIL and nodal officer, NTM; Dr.L. Ramamoorthy, Programme Coordinator, Dr. Balakumar, NTS Head and Director I/C NTM gave their valedictory remarks. All the participants gave their feedback on the programme. Most of the participants suggested to include more number of practice sessions in the future training programme. Dr.L. Ramamoorthy addressed to the participants about the difficulties of the programme. Prof.Awadesh Kumar Mishra stated that NTM will have such programmes across the country. Where RLC is there, NTM will organize the programme and will involve RLC. He suggested the perticipants to prepare bilingual dictionaries and dictionary of synonyms and antonyms in Indian languages. There are various style convention in Indian languages. He told them to work on such materials to develop their languages. Certificates were distributed to the participants. Vote of thanks was given by Dr.P. Matthew.

'Introduction to Translation Training Course'

BatchNo. IV Period : 10th September to 30th September 2013



NTM had organized the 4th 3-week Intensive Training Programme-Course on "Introduction to Translation"- in CIIL, Mysore from 10th September to 30th September, 2013. Prof. Saratchandran Nair, Project Director, NTM inaugurated the programme. There were 30 trainees who participated actively in this programme. There were 57 classes including practice sessions. A total of 28 resource persons imparted the training.



Batch No. V Period : 5th October to 19th October 2013



NTM had organized the 5th 3-week Intensive Training Programme-Course on "Introduction to Translation"- in CIIL, Mysore from 19th October to 8th November, 2013.There were 29 trainees who participated actively in this programme. There were 65 classes including practice sessions. A total of 27 resource persons imparted the training. Prof.Awadesh Kumar Mishra delivered the key note speech. Prof.V.



Saratchandran Nair inaugurated the training programme. All the modules of the designed course (from the basics of translation, its process, its history, its various theories, aspects of Knowledge Text translation, subtitling, Linguistics and translation, Politics and Translation, scientific and technical terminology, translator's resources to Machine Translation) have been covered. In this batch, there were participants from Indo-Aryan, Dravidian, Austro-Asiatic languages of India. There were participants from Hindi, Assamese, Bengali, Odia, Telugu, Kannada, Tamil, Marathi, Santali, Ho, Mundari languages. There were participants who were multilingual too. Each of the trainees submitted a total of 12 assignments. These assignments were woven around literary texts, scientific texts, movie script, and social science text, scientific and technical terminology. There was an examination to assess the knowledge level of the participants at the end of the programme.



Valedictory function was held on 8th November, 2013.

'Introduction to Translation Training Course'

Batch No. VI Period : 4th December to 24th December 2013



4th to 24th December, 2013 Central Institute of Indian Languages, Mysore.

NTMorganized the 6th 3-week Intensive Training Programme-Course on "Introduction to Translation"-in CIIL, Mysore from 4th December to 24th December, 2013.There were 24 trainees who participated actively in this programme. There were 62 classes including practice sessions. A total of 25 resource persons imparted the training. Prof.V. Saratchandran Nair, Project Director, National Translation Mission, chaired the inaugural session. Prof. Awadesh Kumar Mishra, Director, CIIL, inaugurated the programme.



All the modules of the designed course (from the basics of translation, its process, its history, its various theories, aspects of Knowledge Text translation, subtitling, Linguistics and translation, Politics and Translation, scientific and technical terminology, translator's resources to Machine Translation) have been covered. In this batch, there were participants mostly from Indo-Aryan, Dravidian languages of We had participants from Hindi, India. Bengali, Telugu, Kannada, Tamil and Urdu. There were participants who had formal training in Russian and Sanskrit. Each of the trainees submitted a total of 9 assignments. These assignments were woven around literary texts, scientific texts, movie script, and social science text, scientific and technical terminology and also they submitted assignments on whatever they learnt in each week. There was an examination to assess the knowledge level of the participants at the end of the programme.

Introduction to Translation Training Course



Valedictory function was held on 24th December, 2013.

Introduction to Translation Training Course

Batch No. VII Period : 6th January to 27th January 2014



NTM organized the 7th 3-week Intensive Training Programme-Course on "Introduction to Translation"- in CIIL, Mysore from 6th January to 27th January, 2013.There were 82 trainees who participated actively in this programme. There were 58 classes including practice sessions. A total of 23 resource persons imparted the training. Prof.M.Balakumar, ADA, CIIL, chaired the inaugural session. Prof. Awadesh Kumar Mishra, Director, CIIL, inaugurated the programme. All the modules of the designed course (from the basics of translation, its process, its history, its various theories, aspects of Knowledge Text translation, subtitling, Linguistics and translation, Politics and Translation, scientific and technical terminology, translator's resources

to Machine Translation) have been covered. In this batch, there were participants mostly from Indo-Aryan, Dravidian, Tibeto-Burmese and Austro-Asiatic languages of India. We had participants from Assamese, Dogri, Gujrati, Hindi, Bengali, Telugu, Kannada, Odia, Nepali, Malaylam, Manipuri, Sanskrit, Tamil and Urdu. There were participants who had formal training in Germany and Sanskrit. Each of the trainees submitted a total of 9 assignments. These assignments were woven around literary texts, scientific texts, movie script, and social science text, scientific and technical terminology and also they submitted assignments on whatever they learnt each week. There was an examination to assess the knowledge level of the participants at the end of the programme. Valedictory function was held on 27th December, 2013. Prof. H. M. Maheshwaraiah was the chief quest for the valedictory function. Dr.K. Srinivasacharya, Academic Secretary, CIIL was also invited to the valedictory function. Prof.V. Saratchandran Nair delivered the valedictory speech. With this training programme, NTMhas achieved the target of training 247 translators across the country.



Outcome and application of the Intensive Training Course "Introduction to Translation."

Though it is called a course on Introduction to Translation, it imparted an advanced training in translation. It is of 21 days and woven around the basics of translation, it's process, it's history, it' s various theories, aspects of Knowledge Text translation, subtitling, Linguistics and translation, Translation of non-literary materials, Politics and Translation, scientific and technical terminology, translator's resources and Machine Translation and Application.



In the year 2013-14, NTM conducted 7 training programmes and imparted training to 247 translators. These translators were from various disciplines and languages and of different age groups containing aspiring translators, Professional translators, Research Scholars of translation, teachers, students and the other professionals who were interested in translation across the country. NTM was successful in identifying these translators through the training programmes who will help NTM in its various works like translating Knowledge Text, preparing glossaries in various disciplines. Since its inception, NTM has felt a dire need of translators in all major and minor languages. These training programmes were to choose and prepare them for NTM's works. It was a rigorous training where the participants had to attend more than 60 classes including practical, and had to submit nine to ten assignments and had to appear in the assessment at the end of the programme. At present, NTM is preparing a list of potential translators out of 247 based

on their performance in the assessment and in the regular classes. These shortlisted translators will be involved in the various programmes conducted by National Translation Mission, like workshop on preparing glossaries in Indian languages in various disciplines and gradually through continuous interaction with the discipline experts of the concerned language, they will be involved in the translation work under the supervision of the subject experts. NTM is penetrating into the grassroots of social spectrum with its incessant laborious works. With these training programmes, NTM has accomplished and achieved the following:

- 1. Identification of Translators for NTM.
- 2. Creating national level awareness on translation.
- 3. Developing Translation Skills among Aspiring Translators.
- 4. Establishing relationship and working with various University departments to achieve goals of NTM.
- 5. Involved Eminent Scholars available in India, to educate the translators on translation from antiquity to Modern times and Knowledge Text translations for academic purposes as well.
- 6. Necessary foundations have been established for the present into an Advanced Course in Translation. There is need for creating a Certificate/Diploma in Translation.
- 7. Participants were enlightened with current status of Machine Translation in India and abroad too.

There is an urgent need to take necessary collaborative steps in this direction with different Government and Private Organizations to develop NTM's own tools Keeping the NTM needs, aims and objectives in mind, this course* was designed in the following 8 Units:

- a. Theories of translation
- b. Translation: history, schools and theories
- c. Translation studies and Linguistics
- d. Translation of literary and nonliterary materials
- e. Culture and translation
- f. Translation quality assessment
- g. Scientific and technical translation
- h. Machine translation

As It was said earlier, it was a 21 day programme, divided into three parts; 1st part (1st week) included lectures on the aspects of translation, linguistics and translation, history and practice of translation in India and the West, 2nd part (2nd week) covered the lectures on the issues in translation of Knowledge Texts (Social Sciences and sciences), Translation of non-literary materials and on the 3rd part (3rd week) was imparted on Machine Translation, Media Translation, Scientific and technical terminology.

NTM personnel Dr. Mohd Anwar proposed the vote of thanks.



Kashmiri

Translation Orientation Programme

A 5 days Translation Orientation Programme for English-Kashmiri translators at Markaz-i Noor, Centre for Shaikh-ul Studies, University of Kashmir, Srinagar was organized by NTM from June 3rd to 7th, 2013. Prof. Shad Ramzan, Department of Kashmiri, University of Kashmir was the local coordinator of the programme. NTM Personnel Dr. Mohammad. Anwar & Mr. Sunil Kumar Chaudhary conducted this event.



From left Prof. Zaman Azurdah, Prof. Talat Ahmad, Prof. Awadesh Kumar Mishra & Prof. Bashar Bashir on the dias

Inaugural session was held at Conference Hall of Markaz-i Noor. The session was compered by Prof. Shad Ramzan. He welcomed the Chief Guest Prof. Ali Mohammad Shah Dean Academic Affairs, University of Kashmir, Key Note Speaker Prof. Bashar Bashir, and Chairperson of the session Prof. Zaman Azurdah, Former Dean Faculty of Arts, UoK.. Dr. Mohammad Anwar (NTM) gave the welcome speech and presented a detailed report about the NTM through power presentation.

In the keynote address Prof. Bashar Bashir emphasized the importance of knowledge

text translation. Almost all the issues of knowledge text translation were addressed in his talk with the reference to Kashmiri.

The Chief Guest **Prof. Ali Mohammad Shah** explained the present initiatives taken by the university to promote Kashmiri language and allied disciplines through translation. He has also suggested that younger generation may take translation as a job orientated option along with their regular work.

Prof. Zaman Azurdah presented a very brief note on theoretical concept of equivalence, inter-textuality, semantic and pragmatic translation and said that the concept of

equivalence was brought forth for Bible translation. So, it is not so useful for a translator of knowledge text to take into consideration. But he put emphasis on the aspects of intertextuality particularly for knowledge text translation in Kashmiri. Since Kashmiri is dependent on Urdu, Persian etc. for coining terminology and its derivational methods, a translator should see the literature of science and social science in these languages. If they don't know these languages they should consult the experts who can help him in this regard.



Prof. Awadesh Kumar Mishra, CIIL Director and Nodal officer-NTM addressing the participants. Sitting: Prof. Shad Ramzan & Prof. Zaman Azurdah

NATIONAL TRANSLATION MISSION

A panel of five experts was constituted to help the trainees and to take note of the issues faced during the translation done by the participants in the classroom. Prof. Zaman Azurdah, Prof. Mohd. Ashraf Wani, Prof. Bashar Bashir and Prof. Muzaffar Ahmed Khan were the members of this panel. The process and methodology of training course, which was applied, was that the languages experts of Kashmiri were introducing the issues and problems of translation in general and the discipline experts had delivered the lecture on the issues of translating a particular discipline. A text was selected by experts and given to trainees after the lecture. Then the translation was analyzed and examined by the experts and feedback was given to the participant.

Prof. Shad Ramzan delivered a lecture on translation giving the outlines of the different movement in translation studies. He mainly focused on the literary translation through the ages in the west in general and the Kashmiri translation. He discussed about the originality, textuality and authorship.

Prof. Muzaffar Ahmed Khan, retired professor of Botany from KU, discussed about the issues of translating botany text. He had brought some paragraphs of the original and their translations. The translations and the originals were distributed among the trainees. He explained the issues of translation from practical perspective, his approach was subject oriented, explaining the nature of language used in science writing. His classroom approach was welcomed and appreciated by all the participants.

Prof. Mohd. Ashraf Wani, Dean, faculty of Arts and chairperson, Dept. of History, University of Kashmir, discussed the issues of translating history textbooks, he said, history texts deal with the factual, the truthful, the ideological, the representative and the interpretative. If they fail to be comprehensive and inclusive, they can also become prescriptive. He put emphasis of translating those books which are very basic and easily understandable for the students of UG and PG level.

In the valedictory session, the dais was shared by Prof. Talat Ahmad VC, Kashmir University as chief Guest and Prof. Awadesh Kumar Mishra, Director CIIL as a Guest of Honor and Prof. Zaman Azurdah, Prof. Bashar Basheer and Prof. Shad Ramzan.



Prof. Talat Ahmad Vice chancellor, Prof. Awadesh Kumar Mishra, CIIL Director and Nodal officer-NTM, Prof. Zaman Azurdah, Prof. Bashar Basheer & Prof. Shad Ramzan during the certificate distribution session.

Prof. Talat Ahmad announced that with the assistance of National Translation Mission, a centre for translation will come up at KU which can prove to be very effective to bring out the rich literary tradition of this region.

Prof. Awadesh Kumar Mishra briefed how CIIL is functioning for the development and preservation of Indian Languages. He also announced that out of the five regional centers for translation which CIIL intends to establish one centre will be established at Kashmir University, NTM personnel Dr. Mohd Anwar proposed the vote of thanks.

Bengali

Translator's Orientation Program

In collaboration with Linguistic Research Unit, Indian Statistical Institute, Kolkata, a Translator's Orientation Programme in Bengali language was organized by the NTM at Auditorium 1, New Academic Building, Indian Statistical Institute, Kolkata from 1st to 5th July, 2013. Invited experts from different disciplines assembled there to share their experience and view about translation theories, techniques of translation with respect to different disciplines and registers.

The experts from different institutes like **Prof. Probal Dasgupta** (Professor of Linguistics, Indian Statistical Institute, Kolkata); **Prof. Sukanta Chaudhury** (Professior, Dept. Of English, Jadavpur University); **Prof. Kunal Chattopadhyay** (Professor of Comparative Literature, Jadavpur University, Kolkata.); **Prof. Sivaji Bandyopadhyay** (Professor, Computer Science, Jadavpur University, Kolkata); **Prof. Krishna Bhattacharya** (Former Professor, Calcutta Unicersity, Dept. of Linguistics, Kolkata); Dr. Sucheta Bhattacharya (HOD, Comparative Literature, Jadavpur University.); Dr. Samim Ahmed (Assistant Professor, Ramakrishna Mission Vidyamandira, Howrah); Dr. Niladri Sekhar Das (Asst. Professor of Linguistics, Indian Statistical Institute, Kolkata) ; Dr. Sudip Naskar (Asst. Professor, Dept. of Computer and system Sciences, Viswa Bharati University); Dr. Aditi Ghosh (Asst. Professor, Dept. of Linguistics, University of Calcutta) and Mr. Abhisek Sarkar (Core Consultant, NTM) shared their experiences about different aspects of translation.

NTM was honored to have Prof. Pushpak Bhattacharya (Professor, Computer Science and Engineering, IIT Bombay) surprisingly on this occasion also. However he had come to ISI for his personal work, but he agreed to deliver a short talk on Machine Translation (MT) on NTM's special request. The special lecture was really productive for those who were interested on MT. All experts offered insightful observations regarding efforts made by NTM in various domains of translation, on how translation might contribute to different nation building activities. NTM have tried to inclined trainees about the details of MT along with other theoretical aspects of Translation. The Panel discussion on Translation as resistance in the domain of power relations among languages was also very interesting afford towards our goal. As per NTM's mandate to aware people about the prospect of translation in India, NTM have tried to give a brief scenario of employment in various sector of translation in India. Overall the entire programme was quite interesting and fruitful. Dr. Niladri Sekhar Dash was the local coordinator for the programme.

Punjabi

Orientation programme

NTM had organized an Orientation Programme for Translators in Punjabi from 13th to 19th August 2013 in collaboration with Punjabi University Regional Centre, Bathinda (Punjab). The orientation programme was organized with a motivation to train the scholars to equip with the techniques of translation. Participants from ten departments namely Human biology, Economics, History, Political Science, Sports Science, Mathematics, Punjabi, Physics, Zoology and Linguistics took active part in the workshop. A total number of fifty participants participated in the programme. All the Resource persons were expert in the field of translation, drawn from various states and from various technical fields like Physics, Mechanical Engineer, Chemistry, Law, Translation Study, Computer Science and Linguistics. Topics like the need of knowledge translation in the Punjabi language, problems while translating Philosophy texts, problems while translating Mathematics texts and problems of machine translation in Punjabi language etc.

NTM personnel Mr. Sandeep Singh addressed the gathering and highlighted the brief history, aims & objectives and future plans of NTM. Prof. Buta Singh Brar, Department of Punjabi and local co-coordinator of the programme highlighted the benefits of translation of knowledge text and encouraged the participants to work on translation of knowledge texts and utilize the learned techniques in the same field for national cause. He focused on the need of Orientation programmes in Punjab, especially to nurture and guide the translators, to take up the translation work as a profession to build a translation industry. He lauded the vision of NTM and wished a grand success in coming out with the translated texts in Punjabi in the years to come.

On the occasion Prof. Baldev Singh Cheema presented keynote address on Need of Knowledge text translation. He highlighted the benefits of translation of knowledge text and encouraged the participants to work on translation of knowledge texts and utilize the learned techniques in the same field for national cause.

Chief Guest of the inaugural session Prof. Paramjit Singh, Dean Academic, Punjabi University, Patiala, inaugurated the Orientation Programme and said that orientation programme for translation is first of its kind and will certainly help in proper orientation would be translators. Prof. P. S. Ramana thanked the all participants and experts.

Prof. Surjeet Singh Dhillon said his experience about science text translation. After second session of the first day students were divided into 10 groups and some text from different subjects were circulated to them for the next day's practical session.

Prof. Gian Singh, Department of Economics delivered a lecture on "How to Translate Economics Texts - Practical Issues" The translation has been a tough task, but the translators have made it easier through their skills and techniques, where they have managed to get the text translated into the target language. Dr. R. S. Sandhu, Dept. of Sociology gave a lecture on "Translating Social Science texts (with special reference to Sociology)" After that, the participants were assigned translations of few paragraphs from the selected Knowledge Texts from the shortlisted books of NTM.

Panjabi

Dr. Baghel Singh, Department of Chemistry, Higher Secondary School, Punjab University, Patiala gave lecture on "Translation – its problems and challenges" with special reference of Chemistry texts. Prof. Hans Raj Arora, Central University, Bathinda delivered a lecture on Translating Social Sciences Texts with special reference to Law.

Dr. Kuldeep Singh Dhir, former Prof & Head Punjabi Univ. Patiala gave lecture on How to Translate Physics Texts - Practical Issues. He defined many Physics and & Mechanical Engineering terms using the local equivalents which are used in common parlance. He suggested choosing the local terms for the terminologies, and if that is not available then that can be transliterated. Prof. P.S. Ramna discussed about general translation. He said his experiences about translation.

Dr. Inderjit Singh Cheema, Department of Defense Studies delivered a lecture on "How to Translate Physics Texts - Practical Issues".

On the fifth day, the panel discussion was followed by presentation by participants, wherein the participants shared their experience of participating in a programme, and translating Knowledge Texts and felt that the programme will definitely orient them towards taking up translation seriously as a profession.

The valedictory session was chaired by Prof. Tejinder Kaur, Dean of the Languages, Punjabi University, Patiala, who distributed the certificates to the participants. Dr. Buta Singh Brar proposed the vote of thanks.

Dogri Orientation Programme

NTM in collaboration with Govt. Degree College (Boys) Udhampur organized five-day orientation programme for translators in Dogri from 23rd - 28th August 2013. The programme was organized to introduce aspiring translators about the techniques of translating Knowledge Text in Dogri.

The programme was inaugurated by Sh. Balwant Singh Mankotia, Hon'ble MLA



Shri. Balwant Singh Mankotia, Hon'ble MLA Udhampur lighting the traditional lamp, along with (from left) Dr. Nutan Kumar Resutra, Dr. Sucheta Pathania, Prof. Sudhir Singh, Mr. Sunil Kumar Choudhary & Dr. S. K. Magotra.

Udhampur whereas Dr. Kiran Bakshi, Principal Govt. College for Women Gandhi Nagar, Jammu was the guest of Honor. It was presided over by Dr. Nutan Kumar Resutra, Principal of the host college. In his address, the Chief Guest expressed his appreciation for the Translation Mission for its endeavors to translate knowledge texts into Dogri *"We will have to prepare ourselves from within to accept Dogri as a Medium of our communication; personal, academic or professional. Our attitude has been harming this language and if we don't learn from our past mistake, we would lose our identity as Dogras because language gives us our identity,"* he added. Dr. Kiran Bakshi in her discourse, said that while translating social science texts, a translator must keep in mind the source of knowledge, co-relation with the time, soul & mood of the subject. *"We will have to train our thought process in Dogri,"* she added.

Dr. Sucheta Pathania, Professor of English from Jammu University was the key note speaker. In her address on 'Translation Theory: Problems and Prospects" she traced the history of translation, its theory and various nuances of translation, problems faced by the translators and possibilities of importing complete meaning and concept of the source language into target language. "All the factors that affect translation; sociological, psychological, biological, linguistic, cultural be duly considered by a translator," she added. Principal Dr. N.K. Resutra in his presidential remarks said that essence of a language should not be lost while translation. And this is possible only when we are well versed with both the languages, source and target," he added. Welcome address was delivered by Prof. Sudhir Singh, Convener Internal Quality Assurance Cell and Local Coordinator of the workshop. He said that translation is not merely a writing process but a process writing that completes with a feedback through reviewing and critical evaluation of the translated texts. Mr.Sunil Choudhary, NTM gave a detailed presentation regarding the activities of NTM. "Dr. Yudhvir Singh, Principal & staff of Govt. College for Women Udhampur & Mr. Sandeep Singh, NTM were also present.

Mr. O. P. Sharma Vidyrathi IFS, Chief Conservator Eco-tourism spoke on topic *"Importance of Glossaries and Dictionaries in Translation"* and focused on coining terms related to Botany.

Dr. Kiran Bakshi spoke on *"Translating Social Science Texts with Special Reference to Philosophy."* She said that the technical terms of the subject is a must while translating social science texts the context of its use shall not be ignored in translation.

Prof. Yash Pal Sharma from Post Graduate Department of Botany, University of Jammu delivered an invited talk on *"Knowledge Texts selected by NTM, its Significance and Problems of translating these Texts into Indian Languages* with special reference to Botany,", He said that the norms set by the international code for botanical nomenclature must be followed and the new Dogri words for Botanical terms can be coined on the same pattern.

Dr. Parkash Chand Anthal from PG Dept. of Economics. University of Jammu spoke on *"Problems and Challenges in Translating Social Science Texts with Special Reference to Economics"* and had a drill on various technical terms of his subject.

Dr. S. K. Magotra, HoD Dept. of Chemistry, Govt. Degree College (Boys) Udhampur



Dr. S.S. Baloeria IAS Hon'ble Vice Chancellor, Central University Jammu during his valedictory address

delivered a talk on "Problems in translating Natural Science texts (with special reference to chemistry)" & discussed various terms of Chemistry with the participants whereas Dr. Vishav Raksha. from Post Graduate Department of Sociology, University of Jammu, whose M.Phil dissertation is based on Dogri folklore, spoke on "Translating Social Sciences Texts (with Special Reference to Sociology."

Dr. Anuradha Sharma. Post Graduate Department of Geography University of Jammu, delivered a detailed discourse on

"Knowledge Texts selected by NTM, its Significance and Problems of translating these Texts into Indian Languages with special reference to Geography"

Dr. Anita Billawaria, Director (Centre for History and Culture of Jammu and Ladakh Regions). Post-Graduate Department of History, University of Jammu as a resource person. She focused on translating history texts into Dogri with a special reference to text of Dogri art/culture. She asserted that texts like Vishnu Dharmotra Puran. Raj-Darshani & Gulabnama need to be translated into Dogri to get a fuller view of art, culture, architecture, history etc. of Dogra region.

Dr. S.S. Baloeria IAS Hon'ble Vice Chancellor, Central University Jammu was the chief Guest for the concluding session. While appreciating the vision of the NTM, he observed; "Global Treasure of wisdom and knowledge is shared with other cultures only through translation and it is not a recent phenomenon but age-old process. As NTM has started to take up translation of knowledge texts into Dogri, may words that are losing their existence will re-live. We are unconscious of the fact that we all in one way or the other translate while speaking but the thought process is very fast," He urged the participants to translate books like the Panchtantra into Dogri that have already been translated into other global languages. He also distributed participation certificate among the participants.

Earlier Principal Dr. N. K. Resutra in his welcome address said that NTM has a dynamic vision and "we too are always there to support the cause of Dogri. Innovation is our catch-word and this program is a part of this vision. The consensus reached in the program among all is that Dogri vocabulary need to be further enriched by the research of layman's language in day to day life."

Dr. Ashu Vashisht from Govt. College for Women Gandhi Nagar Jammu made the participants' comments. "We are going out as enlightened people in the field of translation. We all have been highly benefitted by the wisdom and experience of Language Experts. All the arrangements and planning of the program was really highly organized," she said. An enchanting Dogri folksong was presented by the College students supervised by Prof. Samosh and Prof. Vaishali Jamwal. Mr. Sunil K. Choudhary, NTM delivered the formal vote of thanks.

26



Prof. Desh Bhandu Dogra Nutan & Prof. Parkash Premi while giving inputs to the participant in the training session

Dogri

Malayalam



Introductory Remarks by Dr. E. V. Fathima, PG Department of English and Research Centre

Translators' Orientation Programme

NTM in collaboration with Kesava Menon Memorial Government Women's College, Kannur, organized a five-day Orientation programme for the Translators from 26th to 30th August, 2013. Focus was given on social science disciplines like Philosophy, Sociology, History and Political Science during this programme.

Glossary workshop Maithili

NTM had organized glossary preparation workshop for Chemistry & Political Science subjects in Maithili language from 23rd to 30th May 2013, at R.K. College Madhubani Bihar. The extracted term lists from the following books were taken for the workshop.



Prof. Awadhesh Kumar Mishra, CIIL Director & Nodal officer-NTM discussing various issues of glossaries in Maithili with experts Prof. Yoganand Singh Jha (right), Prof. Muneshwar Yadav & Dr. Daman Kumar Jha (left) and NTM staff Dr. Ajit Mishra & Dr. Pawan Kumar Chaudhary.

Term list extracted from these Chemistry books:-

- 1. Fundamentals of Molecular Spectroscopy Banwell, Colin N. Mccash, Elaine M. McGraw Hill, 2010
- 2. Organic Chemistry Morrison, R.T., Boyd R.N. Prentice Hall of India, 2003

- 3. Organic Chemistry Volume-I, Finar I. L, Pearson Education, 2002 (6th ed) Organic Chemistry Volume-II, Finar I. L. Pearson Education, 2002 (5th ed)
- 4. Advanced Inorganic Chemistry: A Comprehensive Text Cotton F., Albert; Wilkinson Geoffrey; Carlos A. Murillo; Manfred Bochman Wiley India, 2007
- 5. Atkins' Physical Chemistry; Atkins, Peter; De Paula, Julio Oxford University Press, 2009
- 6. The facts on File Dictionary of Inorganic Chemistry John Daintith Facts on File Science Library

Term list extracted from the following Political Science books

- 1. A Grammer of Politics
- 2. The Indian Consitution.
- 3. A History of Political Theory



Prof. Rameshwar Jha, Prof. Loknath Jha & Prof. Prem Mohan Mishra preparing the Maithili glossary of Chemistry texts

NATIONAL TRANSLATION MISSION

Santali

Glossary Workshop

A Seven day workshop was conducted by NTM from 7th June to 14th June 2013 in NTM library at Central Institute of Indian Languages, Mysore Karnataka, for the preparation and finalization of glossaries in History and Physics subjects, which was prepared in the earlier workshop in Santali language. NTM had invited six discipline experts, two each for History, Physics and Mathematics and three language experts.

Mrs Sumitra Hembron (History Expert), Dr. Nicodimus Tudu (Language Experts) and Mr. Thakur Prasad Murmu from History, Mr. Dukhia Tudu (Physics Expert), Prof. K. C. Tudu (Language Expert) and Mr. Thakur Prasad Murmu (Language Expert) from Physics attended the workshop.

Physics text were as follows –The Feynman Lectures on physics,(2)Fundamental of Physics-Halliday D. Resnick R. Walker J (3)Introduction to Electrodynamics and (4) Classical Mechanics and for History, the terminology from, *"Early India"*- Romila Thapar and *"An Introduction to the Study of Indian History"*-Damodar Dharmanand Kosambi, was completed and finalized. Some terms were newly coined whereas some of the technical terms would have been difficult to understand in Santali language, so the expert decided to keep it in transliteration form.

The experts tried to provide appropriate technical Santali terms, which will help the Santali speaker. The glossary so far will be used in translation work. Mrs. Meenakshi Soren from NTM conducted the workshop.



From L to R, Expert Prof. Sumitra Hembrom, Dr. Nicodomus Tudu, Prof. K. C. Tudu, Mr. Dukhia Tudu, Asst. Prof. Thakur Prasad Murmu & NTM Staff Mrs. Meenakshi Soren.

1. Few Examples of History terms as translation and transliterations:-

English	Santali
Sickle -teeth	सिकल डाटा
Flakes	थोपे
Obligation	कर्त्तव्य
Weld	वेल्ड
Immense	आड़ि लाटू
Interaction	गालमाराव
Dab	हाल्का पोताव
Trap rock	जालाम राँक्
Transgressor	पापी
Primitive communism	आदिम साभमयवाद
Ideograms	आडियोग्राम

1. Few Examples of History terms as translation and transliterations:-

Diode	डायोड
Domain	डोमेन
Domino	डोमिनो
Dot product	डोटप्रोडाक्ट
Electrons	इलेकट्रोनस
Halos	हेलोज
Fermi	फर्मी
Kaon	केयाँन
Laser	लेजर

The experts tried to provide appropriate technical Santali terms, which will help the Santali speaker. The glossary so far will be used in translation work. Mrs. Meenakshi Soren from NTM conducted the workshop.

Manipuri

Glossary Compilation workshop - Phase I

Chemistry, Physics and Sociology

NTM in collaboration with the Department of Linguistics, Manipur University had successfully organized a six day Workshop on the Compilation of glossaries of Chemistry, Physics and Sociology in Manipuri language from 18th to 24th July 2013 (excluding Sunday) at the Department of Linguistics, Manipur University, Canchipur. The term lists of English technical terms of Chemistry and Physics was taken from the glossaries compiled by the Commission for Scientific and Technical Terminology and for Sociology, the list of terms have

Fifteen experts comprising of nine discipline experts, three Manipuri language experts and three Linguistics experts participated in the workshop.

Dr. Soibam Rebika Devi welcomed the experts and explained the objectives of the workshop. The general techniques of coining technical terms and how to coin terms in Manipuri were briefly explained with examples. The experts were divided into three groups for three disciplines; each group had three subject experts, one language expert and one linguist. These groups worked on coining/preparing the terminologies in Manipuri for their respective disciplines. Manipuri language equivalents were coined for the given terminologies in English with the help of these experts.

A total of 3,251 technical terms in Chemistry, 1,558 technical terms in Physics and 983 terms in Sociology subject were coined/prepared.



Prof. Yashawanta, Prof. Nabachandra, Prof. Rajmuhon, Prof. R. K. Bhubon & Prof. Mukherjee compiling the Chemistry Glossary in Manipuri

The subject experts in the three disciplines had provided their feedback on the list of terminologies in Chemistry and Physics Glossaries compiled by CSTT and the list of terminologies in Sociology, prepared by NTM for the compilation of discipline specific glossaries. They brought out the following very important points.

- Many terms which are irrelevant to the disciplines were found in the glossaries
- Many terms were repeated in the glossaries
- Many spelling mistakes were also observed in the English glossaries
- Many common English words have also been used in the glossaries, which should not be a part of the term list.
- Incomplete terms were also seen in the list of terms in Chemistry

The suggestions provided by them:

- As far as Sociology is concerned, it would be better if the terms are based on either a good dictionary or an encyclopedia or a glossary of Sociology instead of collecting the terms from various resources.
- (2) The list of terminologies for the three disciplines may be made available to the experts at least two or three weeks before the commencement of the workshop along with the source which would enable them to work better and,
- (3) The duration of the workshop may be much longer for better result.
- (4) The irrelevant terms in the respective disciplines must be dropped while compiling NTM glossaries.

On the last day, the Certificate of participation and the Letter of appreciation were handed over to the experts and the local coordinator respectively by the NTM staff, Dr. Soibam Rebika Devi and Dr. Hodam Nirendra Singha. On behalf of Prof. Awadesh Kumar Mishra, Director, CIIL and Nodal Officer, NTM, Dr. M. Balakumar, Assistant



Prof. Dinamani, Prof. Dorendrajit, Prof. Yugindro, Dr. Brajamani & Dr. Suramangol compiling the Physics Glossary in Manipuri

Director (Administration) and Project Director i/c, NTM, Dr. Soibam Rebika Devi thanked the local coordinator of the workshop, Prof. Ch. Yashawanta Singh, Head of the Department of Linguistics, Manipur University and all the experts for their valuable contribution towards making the workshop successful.



Prof. Rajendro, Prof. Aruna, Dr.Imoba, Dr. Suresh and Dr. Sakhitombi compiling the Sociology Glossary in Manipuri

Maithili

Glossary Preparation Workshop

A glossary preparation workshop was held in Mathematics, Physics, Chemistry subjects in Maithili language from 22nd - 31st August 2013, at Institute of Foreign Languages, LNMU, Darbhanga, Bihar. Term list from the glossaries prepared by CSTT, New Delhi was taken for the workshop to prepare/ coin the Maithili language equivalents. A total of 34 experts had participated in this workshop, where rough draft of the Maithili equivalents was prepared for all three disciplines. Approximate terms completed during this workshop are as follows:–Physics (28,000), Chemistry (51,000) and Mathematics (19,000).

Dr. Ajit Mishra, Dr. Shambhu Kumar Singh, NTM conducted this workshop.

Santali

Glossary Preparation Workshop

A seven days glossary preparation /compilation workshop in Santali language was organised by National Translation Mission, CIIL-Mysore in collaboration with Sido Kanho Birsha University (SKBU), Purulia West Benagal from 26th August to 02nd September, 2013.

During the inaugural function, Dr. Nachiketa Bandhopadhay, Registrar of SKB University was the chief guest, whereas Inspector of Colleges- Dr. Priynath Haldar was the guest of honour and examination controller, Dr. Subal Chandra De was the special invitee. All the guests and the resource persons were greeted by offering flowers.

The programme coordinator Asst Prof. Thakur Prasad Murmu welcomed the guests and briefed the guests and the resource persons about the importance of the workshop for the development of Santali language. NTM personnel Ms. Meenakshi Soren proposed vote of thanks.

The workshop was conducted for seven disciplines, namely History, Physics, Chemistry, Philosophy, Mathematics, Political Science and Sociology to prepare/compile the glossaries in Santali language. This term list was taken from the glossaries prepared by Commission for Scientific and technical terminology, New Delhi.



Dr. Nachikta Bandhopadhay, Registrar of SKB University, Purulia-WB.,Prof. Digamber Hansda, Prof. K. C. Tudu, Prof. Susmita Manna (V.C of SKB,Purulia WB),and college Inspector –Dr. Priynath Haldar & the workshop experts

The resource persons who attended the workshop were -Mr. Subodh Hansda, Mr. Subhash Chandra Tudu, Mr. Dukia Tudu, Mr. Gobinda Soren, Asst Prof. Kalyan hansda, Mr. Samrat hansda, Mr. Babulal Hembrom, Dr. Biswanath Hansda, Dr. Vinay kumar, Ms.Singo Soren, Prof. Digamber Hansda, Mr. Ishwar Marandi, Ms. Pratima Mandi, Dr. Champawati Soren, Mr. Laxman Kr. Soren, Mr.Boddeshwar Mardi, Mrs.Sumitra hembrom, Ms. Anjana Saren, Mr. Manasa Ram Hansda, Prof.K.C. Tudu, Dr. Dhanashwar Manjhi, Dr. Dukia Murmu, Prof. Shyam Charan Hembrom, Prof. Karu Manjhi, Dr. Nikudimus Tudu and Asst Prof. Thakur Prasad Murmu.

The terms completed during this workshop are as follows:–History (5000), Physics (5000), Chemistry (9200), Philosophy (7000), Mathematics (5000), Political Science (7000) and Sociology (9018).

During the concluding session, Prof. Susmita Manna, Vice Chancellor of SKB University was the chief guest, Dr. Panda, Prinicipal of B.Ed college, Purulia, was the guest of honour. Librarian Dr. Parnav Hazra, Dr. Aprajita Hazra, HoD of English, Dr. Shankar Bhattacharya, HoD of Zoology and its faculty Dr Kaushik Mandal and Dr. Kumar Modak, Dr. Gautam Mukhapadhay, HoD of History and Dr. Jagdeep Oraon, HoD of Anthropology and tribal Studies and Dr. Soumajit Patro, HoD of Sociology were the other dignitaries present in the hall.

Workshop Coordinator Asst Prof. Thakur Prasad Murmu welcomed the guests to the valedictory function. The workshop progress report was read out by Mr.Babulal Hembrom. Prof. Susmita Manna praised and lauded the NTM's initiative and congratulated NTM and Dept of Santali, SKBU for organizing a workshop which is of national importance. Certificate of Appreciation was handed over to Prof. Susmita Manna on behalf of NTM by personal Mrs. Meenakshi Soren and HoD of Santali Prof Phaltoon. Certificates were distributed to the resource persons through the dignitaries. Mr. Subodh Hansda compered the function, whereas NTM personnel Mr. Seby Fernandes proposed the vote of thanks.

Hindi

Preparation of Glossary in Hindi for Political Science

A five day workshop titled 'Preparation of Glossary in Hindi for Political Science Discipline' was conducted by NTM in CIIL, Mysore from 16th to 20th Sept. 2013. The purpose of the workshop was to provide Hindi equivalents to 13,000+ English concept terms extracted from the Political Science glossaries prepared by the state bodies in different Indian languages and

selected political science books were taken up for translation by NTM.

Discipline experts Prof. Sanjay Lodha, Prof. (Retd) Arun Chaturvedi & Prof. (Retd) Ved Dan Sudhir, Prof. Ram Dev Bharadwaj, Prof. Nalini Rewadikar, Prof. H K Sharma, Prof. P. N. Tripathi, Prof. Chandrakala Padia and language expert Dr. Rajendra Pandey participated in the workshop. Sunetra Sholapurkar, Siddhartha Chakrabarti & Sunil Choudhary, NTM conducted the programme.

CSTT has done extensive and commendable work on technical terminology in Hindi and it is mandatory for the translators to use these terms only. However, most of their suggested equivalents have often been criticized and questioned as they are said to be highly sanskritised and are difficult to the understanding of an average student. Time and again scholars from the academic circles have felt the need to review and simplify these terms.



Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director-NTM briefin the experts

With this objective eight discipline experts and one language expert were involved in this workshop. All the experts were not only academically experienced but also showed required competence in translation. They were dedicated, disciplined and well prepared for the workshop and therefore could finish the assigned task within the stipulated time frame. Three of them had the experience of glossary making due to their prior association with CSTT.



Experts at work

The total numbers of English terms were equally divided into ten files with approximately 1500 terms in each file and each expert was sent the file a week before the commencement of the workshop. Few of them came with their homework done and also helped in completing the two extra files of which the experts could not come due to some other pressing engagement. Since all the experts were from bilingual teaching background it was not a difficult task for them to give the Hindi equivalents for most of the English concept terms.

Around 50% English terms were already there in the CSTT glossaries either as a single term or in its derivational form. However, many of the compound terms selected by NTM were not found. For such terms and other new terms equivalents were coined with the help of existing CSTT equivalents.

Suggestions by the experts:

- Discipline experts should be involved in the selection of the text books/articles for translation and the preparation of concept terms.
- New words post 2000 need to be included from standard publications.
- o Translation of the standard books of the sub disciplines (International

Relations, International Politics, International Law, Human Rights, Women's Studies, Local Self Government, Political Theory etc) of Political Science must be taken up urgently as there is a great demand for them.

- Research scholars/interns may be associated with the senior experts so that they get trained and a new generation batch of translators is created.
- Workshops for the above mentioned points can be held at other places in different states.
- Dictionaries of Latin, French, German & Greek may be procured for terms pertaining to these languages.

The outcome of the workshop was fruitful and satisfactory as the objective was attained. The experts expressed their happiness about the groundwork done by NTM, the in-house facilities and the staff.

Manipuri

Glossary Compilation Workshop - Phase II

(Chemistry)



Prof. Awadesh Kumar Mishra, Director, CIIL & Nodal Officer-NTM delivering his speech in the inaugural function, Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director-NTM, Dr. M. Balakumar, Asst. Director (Admn.), CIIL also present in the function.

NTM Mysore had organized 'Workshop on Compilation of Glossary in Chemistry in Manipuri language' for seven days from 23rd – 30th September, 2013) at the Central Institute of Indian Languages, Mysore. The list of English technical terms of Chemistry for compiling the target glossary in Manipuri had been taken from the Chemistry glossary compiled by the CSTT, New Delhi.

The objective of this workshop was to preparing/coining of Manipuri equivalents of the remaining source English technical terms of Chemistry subject, which were left incomplete in the earlier workshop and to make the final first draft of Manipuri Glossary in Chemistry. The first workshop was conducted in Manipur University, Imphal in July 2013.

A total of twelve subject experts, a Linguist and a Manipuri language expert participated in the workshop.

Dr. Soibam Rebika Devi welcomed the dignitaries and the experts.

Prof. Awadesh Kumar Mishra, the Director, CIIL, presided over the function and delivered the presidential address. In his presidential address, he, highlighted the importance of glossaries in translation of knowledge texts. He also suggested some techniques like transcribing the source English terms appropriate to the sound system of Manipur with examples. He said that the coined equivalents in Manipuri should not be too artificial. He, further, mentioned that a good balance of English and Manipuri should be maintained while coining the Manipuri 2 Equivalents and expressed that this workshop will bring out a good Manipuri Glossary in Chemistry, the finalization of which will be done with CSTT and the State body.

Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director, NTM while delivering the inaugural remarks and keynote address emphasized that the prime motive of such workshops is

to bring out the publications of disciplinespecific glossaries of NTM very soon in all the 22 scheduled languages. He opined that since no State bodies of Manipur have produced such discipline-specific glossaries in Manipuri till now, getting the concurrence from the State bodies will be much easier. He, also, mentioned with examples how the Japanese adopted the borrowed words by suffixing the vowel /-o/ to the term. He, further, mentioned that taking words from folk literatures while coining equivalents, is also a strategy/criterion that can be followed.

Dr. M. Balakumar, Assistant Director (Administration), CIIL thanked the experts for attending the workshop and wish the workshop a grand success.

Prof. Ch. Yashawanta Singh, Head, Department of Linguistics, Manipur University, Canchipur talked about the modernization of Manipuri language and expressed the importance of coining terms in Manipuri.

The Head, Department of Chemistry, Prof. N. Rajmuhon Singh of Manipur University shared the previous experience of the first glossary workshop held at Manipur University. He mentioned that as far as Manipuri is concerned, the Board of Secondary Education, Manipur had brought out the Manipuri translations of textbooks up to 10th standard. He expressed his opinion of translating textbooks from plus 2 level onwards instead of taking textbooks for higher education first.

Prof. A.K. Manihar Singh, a retired Professor of Manipur University while expressing his past experience said that in 1976 an association called 'the Manipuri Science Association' was formed and it had put an effort to coin standard scientific terminologies in Manipuri. The inaugural session concluded with a vote of thanks by Dr. Hodam Nirendra Singha.

Output of the Workshop

The preparation work of Manipuri Glossary in Chemistry subject was completed in this workshop. This English-Manipuri Glossary in Chemistry will have 22,262 Chemistry terminologies in English and equivalent Manipuri terms.

Punjabi

Glossary Workshop

NTM had organized a Workshop on preparation of glossary in Punjabi for History discipline at Centre for Diaspora studies, Punjabi Univ. Patiala (Punjab) from 30th September to 7th October 2013. The purpose of this workshop is to provide Punjabi equivalents for the English technical terms extracted from the glossaries prepared by CSTT, state bodies in different languages and selected history text books taken by NTM.

The workshop was inaugurated on 30th Sep. 2013. For this workshop, NTM had invited 10 Subject and 5 Language Experts. The workshop concluded on 7th October 2013. In this workshop, the experts managed to prepare/coin 15000 terms in Punjabi language.

Bengali

Glossary Preparation Workshop

NTM had organized two workshops for preparing glossaries in Bengali language for the disciplines of History, Physics and Chemistry, from 30th September to 8th October, 2013.

NTM staff Mr. Abhisek Sarkar welcomed all the experts. He explained about the recent activities of NTM and the need of Bengali glossaries for translation purpose. The following experts and PhD Scholars had participated in this workshop:

Mr. Biman Samaddar, HoD, Santipur College, Dr. Prabal Bagchi, Asst. Professor, Barasat College, Ms. Baidehi Sengupta, Senior Research Fellow, Asiatic Society, Dr. Samir Karmakar, Asst. Professor, Jadavpur College, Kashshaf Ghani, Guest Lecturer, Aliah University, Mr. Jishnu Dasgupta, Asst. Professor, Serampore College, Dr. Sayantani Pal, Asst. Professor, University of Calcutta, Dr. Rajat Sanyal, Asst. Professor, University of Calcutta, Prof. Mahidas Bhattacharva, Professor, Jadavpur University, Dr. Aritra Baneriee, Asst. Professor, University of Calcutta, Dr. Salil Kr. Biswas, Asst. Professor, University of Calcutta, Dr. Anirban Kundu, Asst. Professor, University of Calcutta, Dr. Sudip Kundu, Asst. Professor, University of Calcutta, Dr. Abhijit Bhattacharya, Asst. Professor, University of Calcutta, Prof. Gautam Gangopadhyay, Professor, University of Calcutta, Dr. Anindya Datta, Associate. Professor, University of Calcutta, Dr. Sudipta Bandyopadhyay, Asst. Professor, University of Calcutta, Mr. Anirban Basu, Asst. Professor, Amta College, Kolkata, Dr. Soumitra Sanyal, Asst. Professor, Sreechaitanya College, Prof. Prasanta Kr. Bhaumik, Professor, University of Calcutta, Dr. Sandip Saha, Asst. professor, A.P.C. College, Kolkata, Dr. Nikhil Ranjan Pramanik, Associate professor, Bidhan Nagar College, Prof. Syamal Chakrabarti, Professor, University of Calcutta, Dr. Ashis Kumar Siddhanta, Associate Professor, Scottish Church College, Kolkata, Dr. Debabrata Mandal, Asst. Professor, University of Calcutta, Dr. Pinaki Chaudhury, Asst. Professor, University of Calcutta, Dr. Asish Ranjan Das, Associate Professor, University of Calcutta, Dr. D. Chakraborty, Asst. Professor, Serampore College, Kolkata, Dr. Debasis Mukhopadhyay, Asst. Professor, University of Calcutta

PhD Scholars

Ms. Rimi Ghosh Dastidar, PhD Scholar, Jadavpur University, **Ms. Amrita Das**, PhD Scholar, Jadavpur University, **Mr. Santanu Mondal**, PhD Scholar, Jadavpur University.

During the workshop, Bengali equivalent for more than 14,700 terms for History have been compiled out of total 15000+ terms with the success rate of 97%. In case of Physics out of 30,000+ more than 27,000 terms have been completed with the success rate of 91%. In the discipline of Chemistry out of 20,000+ terms more than 18,500 terms in Bengali have been completed with the success rate of 91%.

Experts from all disciplines agreed that the experience was fresh and many way rewarding. However, they had observed some following points:

- ★ A large number of words were from other discipline (Engineering, Political Science etc.).
- ★ Some words are no longer in use and need not be translated. In the time of preparing word list one should take care of it.
- ★ More importantly, they have found that basically the most of the terms were not single
- ★ words but phrases. In overwhelmingly majority of them, the term consisted of a combination of words for which the translation needed to be made individually. This

threw up two problems. The single terms were being looked up by some other expert and in most of the cases; it just was not possible to consult that person every time. So what surely has happened is that different experts have used different Bengali words for the same English word. Besides, in most cases, the translation of the terms was not at all important as it consisted of a set of terms whose translations were already available. Unless the phrase means something completely different from its constitute words, and that is not likely in a scientific/technical term, it is better not to write it out explicitly but rely on the person who is making use of the glossary, to get the meaning. To give a simple example has given by one expert that, if the glossary contains the Bengali term for the word 'equation', it need not, and should not, contain translations for Schroedinger's eqation, 'Nerst's equation' and the like.

★ All experts felt that the list of terms should have been made more carefully, with some principle in mind. Perhaps, translation might have been made for the basic words by one or two persons at first. Then, with those Bengali words fixed beforehand, one could translate the phrases and combination words. Many of the present phrases in the glossary are simply combination of basic words and can be dropped. All of them are believed that a thorough editing is required before finalize the glossaries.

On the concluding day 'Letter of Appreciation' was given to all the experts and scholar.

Maithili

Glossary Preparation Workshop



A Certificate of Appreciation is handed over by Dr. Shambhu Kumar Singh (NTM) to the Local Coordinator (Prof. Keshkar Thakur, HoD, PG Department of Maithili, TMBU Bhagalpur.) for successfully conducting the workshop under the aegis of National Translation Mission, CIIL, Mysore

In connection with preparation /compilation of glossaries programme in all Scheduled languages in different disciplines by NTM, it had organized a seven days workshop at two different places in Bihar, i.e. R M College Saharsa and TMB University, Bhagalpur, Bihar from 1st to 7th October 2013 to prepare the glossaries in Political Science, Sociology, History and Philosophy disciplines.

A total of 6000 terms in Political Science and 12,000 terms were completed in Sociology disciplines of which the workshop was held at R. M. College Saharsa and a total of 6462 words in Philosophy and 2931 terms in History were completed in the workshop held at TMB Uni., Bhagalpur.



Participants of Glossary Compilation Workshop held at TMB University, Bhagalpur, from 1^{st} to 7^{th} of October, 2013

Prof. Vinay Kumar Choudhary was the local coordinator at Saharsa event and

Prof. Keskar Thakur was the local coordinator at Bhagalpur event. Dr. Pawan Kumar Choudhary and Dr. Shambhu Kumar Singh, from NTM conducted the event respectively.

Malayalam

Compiling Glossaries in Political Science and Philosophy



Dr. M. Abdul Salam, Vice Chancellor, Calicut University addressing the experts during the inaugural session.

A collaborative ten days workshop was organized by NTM and University of Calicut for compiling glossaries in Malayalam language for Political Science and Philosophy disciplines at the Department of Philosophy from 1st to 10th October 2013. The purpose of the workshop was to compile equivalents for the list of terms extracted from the CSTT glossaries available in various languages and also to decide upon which terms need to be retained, translated or transliterated and related strategies. The Programme was inaugurated by the Honorable Vice Chancellor of the University.

A list of terms from the above disciplines was distributed among the experts. There were around 8050 terms in Philosophy discipline and 13,000+ terms in Political Science. There were seven resource persons for Philosophy and eleven for Political Science disciplines. Two language experts from both Malayalam and English were present to assist and support the subject experts.

Except for the glossaries published by the State Institute of Languages, Kerala, very little material was available for the resource persons to work on. They were provided with the downloaded dictionaries on the two disciplines published by Standard English language publishers like Rutledge and Cambridge. This proved to be of limited help as they were on the whole comprehensive concept dictionaries and finding adequate Malayalam equivalent was not an easy task.

After thoroughly analyzing the wordlist the local coordinator of the programme Dr. K. M. Sherrif from the Department of English, opined that "the lists were unfortunately, crude unedited versions. There were number of repetitions. In several instances, derivatives, which prima facie did not merit separate entries, were included. A fairly large number of terms were from what is traditionally called 'the common stock' of the language and could not be described as being centrally located in the domains/discourses/disciplines for which glossaries are being prepared. It was also noted that, if one were to go strictly by prevailing discourse boundaries, terms from discourses like law, economics and history figure largely in the word lists (this is probably not a very serious issue, as there are considerable differences of opinion on the matter)."

Even with all these inadequacies the resource persons could successfully complete the work in the stipulated time.

The experts from the political science discipline opined that it would have been easier if NTM separated the foreign language terms and concepts from the main list. They opinioned that these terms which were occurring frequently in the list hamper the pace of the work. But they were successful in giving equivalents for about 98% of the terms.

Philosophy experts were of the opinion that in the term list there were a number of terms and concepts from the modern theories of Philosophy and finding Malayalam equivalent for these terms was not an easy task. They could complete 95% of the work. Philosophy experts felt the need of a Psychology expert in their team for a better clarity of certain concepts.

Both the teams strongly felt that a thorough vetting of the terms is necessary before finalizing the glossary for publication.

Kannada

Glossary Preparation Workshop

NTM had organized an eight day workshop on Finalization of Technical Glossary for Sociology in Kannada from 3rd -11th October, 2013 (excluding Sunday) at CIIL, Mysore. The technical terms of Sociology were taken from various sources such as glossary terms compiled by the CSTT and terms from Sociology glossary prepared by the State Text book board, Odisha.

Dr. Manjulakshi, NTM welcomed the experts and Dr. M. Balakumar, Assistant Director (Administration -CIIL) explained the objectives of the workshop.

Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director of NTM, had a discussion with the experts regarding the glossary work, said that nativity of the Kannada should be maintained while giving equivalents and also discussed the aims and objectives of the NTM project.

The following ten experts comprising of eight discipline experts and two

language experts participated in the workshop:

Dr. S. Chandrashekar, Kuvempu University, Jnanasahyadri, Shimoga, Dr. Gururaja B, Asso. Prof. of Sociology, University of Mysore, Mysore, Dr. Indira R, Prof. & Chairman, University of Mysore, Mysore, Prof. Hiremath, Prof. & Chairman, Gulbarga University, Gulbarga, **Prof. Somshekarappa** C. A. Prof. of Sociology, Karnataka University, Dharwad, Prof. Gurulingaiah, Dept of Sociology, Kuvempu University, Jnanasahyadri, Shivamogga, Prof. H. D. **Prashanth**, Asso. Prof. Dept of Development Studies, Kannada University, Hampi, Prof. **Soukath Ajim**, Prof. of Sociology, Karnataka University, Dharwad, Prof. H.M. Maheshwaraiah, Senior Professor & Fellow, CentralInstitute of Indian Languages, Manasagangotri (Linguist), Sri. Yadurajan, Rtd. Research Officer, CIIL, Mysore (Language Expert).



Dr. M. Balakumar, Assistant Director (Administration - CIIL) addressing the workshop experts in CIIL, Mysore.

The Sociology experts were given 12082 technical terms extracted from various sources by the NTM. The terms were divided into nine parts and were distributed among the experts. The subject experts gave Kannada equivalents with the help of language expert and Linguistic expert. They also referred Sociology texts books and various Kannada dictionaries and glossaries. The discipline experts and language experts discussed various terms when there was doubt in coining the terms. Most of the terms were coined using native Kannada words. The subject expert gave their feedback on the Sociology terms prepared by the CSTT. Simultaneously, Prof. R. Indira edited 4000 equivalents.

Dr. L. Manjulakshi, Dr. R. Usharani & Sandya.G from NTM conducted the workshop.

Kannada

Glossary Preparation Workshop



Language experts Prof. Pradhan Gurudatta & Prof. H.M. Maheswharaiah briefing about the nuances of glossary making.

NTM had organized a workshop to prepare/ coin the terminology in Kannada language in History and Political Science disciplines at Sahyadri Arts & Commerce College, Vidyanagara, Shivamogga, Karnataka in October, 2013.

Dr. Meti Mallikarjun, Local Coordinator, welcomed the experts and NTM personnel Jnana Murthy B. R. explained the objectives of the workshop. Dr. Pradhan Gurudatta, explained the general techniques of giving Kannada equivalents and how to coin new terms in Kannada with examples.

Seventeen experts comprising fifteen discipline experts and two Kannada

language experts participated in the workshop.

Language Experts:

Prof. Pradhan Gurudatta, Chairman, KBBP, Kalagrama, Mallathahalli, Bangalore, **Dr. H.M. Maheshwaraiah**, Professor and Senior Fellow, CIIL, Hunsur Road, Mysore.

History:

Dr. C. Gurusiddaiah, Asst. Professor of History, UOM, Manasagangotri, Mysore, Dr. T. G. Chanrdashekarappa, Prof. of History, SAC, Vidyanagara, Shivamogga, Dr. Siraj Ahmed, Asst. Professor of English, SAC, Vidyanagara, Shivamogga, Sri. B. L. Raju, Asst. Professor, Dept. of PG Studies in English, IGCFG, Sagar, Dr. Shivanna, Rtd. Professor of History, Vijayanagara, Mysore, Dr. Shadaksharaiah, Prof. of History, Bangalore University, Bangalore, Dr. Shaik Masthan, Asso. Prof. of History, Bangalore University, Bangalore, Dr. Narendra Prasad, Asso. Prof. of History, JSS Women's College, Mysore, Dr. M Somashekhar, Asst. Professor of History, SAC, Vidyanagara, Shivamoqqa.

Political Science:

Dr. J. S. Sadananda, Prof. of Political Science, Kuvempu University, Shivamogga, Dr. Kiran M. Gajanur, Research and Teaching Assistant, Gajanur Camp, Shivamogga, Dr. Krishna Hombal, Asst. Prof. of Political Science, UOM, Manasagangotri, Mysore, Mr. Thamme Gowda M.D., Lecturer in Pol. Sci., Govt. P.U. College, Bannangadi, Dr. Avinash T, Asst. Prof. of English, SAC, Vidyanagara, B.H Road, Shivamogga, Dr. Chandrashekar, Asst. Prof. of Pol. Sci., SAC, Vidyanagara, Shivamogga, Prof. H. Jayadevappa, Principal, Sahyadri Arts and Commerce College distributed the 'Letter of Appreciation' to the experts. Dr.

Nagaraju S., NTM gave vote of thanks.

The Workshop was coordinated by the Dr. Nagaraju S. and Jnana Murthy B. R. from NTM.

Urdu

Preparation of the Glossaries in Urdu

A workshop was organized by NTM in CIIL for preparing the glossary of History discipline in Urdu language from 3rd to 10th October 2013. Five History scholars and some Urdu language experts were invited for this workshop. The following scholars were the part of the workshop:

Prof. Mohammad Mahmood, Department of Political Science, AMU, Aligarh, **Dr. Anwar Alam**, Department of History, Karim City College, Jamshedpur, **Dr. Yahya Ibrahim**, Head, Department of English, Karim City College, Jamshedpur, **Dr. Syed Badre Ahmad**, Department of Urdu, Karim City College, Jamshedpur, **Dr. Aqueel Ahmad**, Department of Philosophy, Karim City College, Jamshedpur.

A total of 15371 terms were provided to them to give the equivalent words in Urdu. Only 75% of the assigned work was completed by them.



NTM personnel Dr. Abdul Halim conducted this workshop.

Prof. Akhtarul Wasey, National Commissioner for Linguistic Minorities in India, Prof. Shamim Hanfi, Emeritus, Jamia Millia Islamia New Delhi alongwith the experts of the workshop

Santali

Glossary Preparation Workshop

A ten days glossary preparation workshop for Santali language was organized by



Participants of History & Sociology workshop at NTM Library, Mysore.

NTM, CIIL- Mysore in its library from 3rd October to 14th October, 2013.

NTM staff Dr. Ajit Mishra and Dr. Nirendra Singh, welcomed the expert and briefed the resource persons about the importance of the workshop for the development of Santali language. NTM personnel Ms. Meenakshi Soren proposed vote of thanks.

The workshop was conducted for two disciplines, namely History and Sociology in Santali languages. This terms list was taken from the Odia and Punjabi glossaries which was done by CSTT, New Delhi.

A total number of 18 resource persons were invited for this 10 days workshop. The resource persons who attended the workshop were: Mr. Bneswar Kisku, Dr. Pradip kr. Mandal, Ms. Dulali Murmu, Mr. Sibu Saren, Mr. Manasa Ram Hansda, Mr. Saiman Murmu, Ms. Jyotsna Tudu, Mr. Ram Chandran Soren, Mr. Swapan Kumar Sardar, Asst Prof. Thakur Prasad Murmu, Dr. Vinay Kumar, Asst Prof. Jagdeep Oraon, Ms.Nomita Kisku, Ms. Sabana Rahman, Ms. Chanchla Hembrom, Mr. Brishpati Mahto, and Mr. Lakhai Baskey.

The total terms completed during this workshop are as follows:- History(15371) and Sociology (12160). On the concluding day, NTM Project Director Prof. V. Saratchandran Nair distributed certificates to the resource persons. He delivered a talk on the translation scenario and the need for the glossaries in Indian languages. He briefed the experts about the goals of NTM and the work done by NTM till date.

Konkani

Glossary Workshop

A ten days glossary preparation workshop in Konkani language was organized by NTM, Mysore at Goa State Central Library, Panaji Goa from 3rd to 14th October, 2013.

A total of 34 resource persons were invited to participate in the 10 days workshop. History, Political Science and Sociology terms list from CSTT prepared glossaries were taken for this workshop.

NTM Director Prof. V. Saratchandran



Prof. V. Saratchandran Nair Project Director-NTM presenting the Certificate of Appreciation to Goa State Central Library official during the inaugural session of the glossary preparation workshop in Konkani

Nair was the chief guest for the inaugural function, whereas Mr. Prakash Kamat, The HINDU, Special correspondent-Goa region and Rtd Prof. S.M.Borges were the other dignitaries present on the dais.

NTM Director Prof.V. Saratchandran Nair briefed the experts about the need to have the technical terminology in Konkani and the vision of NTM. He also spoke on the various employment aspects, which translation as a industry can provide for the people. Later on, he presented the Certificate of Appreciation to the Goa State Central Library for providing the

infrastructure and the required material for the workshop.

The experts provided the Konkani equivalents by referring the glossaries prepared by CSTT in Hindi language. Some experts referred the Marathi Glossaries too, which are prepared by Govt. of Maharashtra. Resource persons have tried to provide the most commonly Konkani terms for the technical terms which are in usage in print media. The participants have tried their level best to complete the selected terms in 10 days time.

Completed terminology:

History-14,329 (100%), Political Science-12,693 (100%) & Sociology-6933 (65%).

Experts have tried to make the glossary more users friendly and have decided to use the same in their writings, to make the terms much more popular with the Konkani speakers.

The experts suggested that, the soft copy of the final glossary may be sent to them for proofreading or one final vetting workshop can be organized for the same.

History and Political Science glossary have been completed and the draft is ready

for final vetting workshop. 65% of the Sociology terminology was completed in this workshop.

NTM personnel Dr. Mohammad Anwar and Mr. Seby Fernandes conducted the workshop.

Tamil

Glossary Preparation Workshop

A workshop for preparing the History

glossary in Tamil was organized at the Madras Institute of Development Studies, Chennai, Tamil Nadu from 7th to 9th Oct. 2013. Following three experts had been invited for the workshop:

Prof. A. R. Venkatachalapathy. Madras Institute of Development Studies. Chennai, Prof. K. A. Manikumar, Department of History, Manonmaniam Sundaranar University, Tirunelveli, Dr. S. Bhakthavatsala Bharathi, Director I/c, Pondicherry Institute of Linguistics and Culture, Puducherry.

The team had carried source terms numbering around 16,000. The experts scrutinized the list and made the following observations:

- There are a lot of entries which do not qualify to be strictly defined as terminology, for example, abuse of official position, searched vessel, American policy of political self for U.S.A. etc.
- Some entries are simply everyday phrases and could be easily translated using their member words which are already present in the glossary, for example, ancient document, budget of the United Nations etc.
- Some entries are too specific to a particular period or event of Ancient World History or an architectural structure etc. They only seem to make the glossary voluminous and have negligible practical relevance in History. Example, askari (a member of the ANC who changed sides and joined the apartheid government's police force), Nauvittaka nakhuda (ship-owning merchants), calyx etc.
- ★ Many derivations of a head entry are given. These entries could also be

pruned.

- ★ Equivalents for some entries that are inter-disciplinary in nature may be given by experts from the respective disciplines like Political Science, Cultural Anthropology, Archaeology, Epigraphy, Architecture etc.
- ★ There were some repetitions and some entries had spelling mistakes.

The experts have marked the terms that are relevant to a History glossary. Terms from related disciplines like, Political Science etc but are relevant to the discipline of History too have been allowed to be part of the list.

About 5000 Tamil equivalents together have been added by the team. They have been added either during the workshop or in the post workshop phase. Most of these terms are from the glossaries published by Tamil Virtual Academy on behalf of the Govt. of Tamil Nadu. The NTM Tamil team is, at present, is adding equivalents to the derivatives of head entries whose equivalent has been added to the glossary already. The team will also separate the terms that belong to the History and other disciplines according to the guidelines derived from the workshop.

At least two more workshops have been planned to be organized. There is also a proposal to include experts from related disciplines to these workshops.

Before the workshop, the NTM Tamil team spent considerable amount of time in weeding out duplicate and junk entries from the list of source terms from History. Immediately after receiving instructions from the Project Director, NTM, the team collected the source terms from the glossary team. It was decided to take up the discipline of History first for preparing glossaries in

Tamil. The list of source term provided had about 5700 terms. The sources from which the terms had been extracted were not clear. After the Tamil team enquired the glossary team, it was found out that the terms from the History glossary prepared by the Odisha State Bureau of Textbook Preparation and Production in collaboration from CSTT had not been incorporated. Terms from the glossary prepared by the Govt. of Tamil Nadu and published by the Tamil Virtual Academy was also sent to the glossary team. All the terms were added to the list then and a final list came to be numbered around 17.000 terms. The list was then divided among the members of the Tamil team and around 700 duplicate and junk entries like '2069 candidate unexpectedly nominated, especially', '7746 Inwgnito' etc. were removed from the list before taking the list to the workshop.

NTM staff Mr. S. Suresh Kumar, Consultant and Mr. S. Winston Cruz, Senior Consultant conducted this event.

Dogri

Glossary Workshop

NTM had organized an Eight days Glossary preparation workshop in Dogri language for History and Political Science subjects at Centre for History and Culture of



Prof. Anita Billawaria, Dr. Sham Lal Raina, Prof. Parkash Premi, Padamshree Dr. Jitender Udhampuri & other experts working on Dogri glossaries.

Jammu and Ladakh Regions, University of Jammu, from 9th to 17th October 2013. In this workshop, first draft of two disciplines consisting 13064 terms in Political Science and 15160 terms in History was prepared.

The workshop was inaugurated on 9th Oct. 2013. While welcoming the experts NTM staff Mr. Sunil Kumar Choudhary highlighted the brief history, aims & objectives and future plans of NTM. He further said that the Workshop aimed at to enriching the vocabulary of Dogri language to meet the requirements of Translators & technocrats.

Padamshree Dr. Jitender Udhampuri, Sahitva Akademi Awardee Translator, Prof. Veena Gupta Former Convener of Dogri at Sahitya Akademi New Delhi & HoD Dept. of Dogri University of Jammu, Dr. Darshan Darshi Former Director School Education. Jammu, Prof. Anita Billawaria, Director Centre for History and Culture of Jammu and Ladakh Regions, University of Jammu, Prof. Lalit Magotra, Convener for Dogri at Sahitya Akademi New Delhi, Prof. Shashi Pathinia, Sahitya Akademi Awardee Translator and former HoD Dept. of Dogri University of Jammu, Prof. Parkash Premi, Sahitya Akademi Awardee, Prof. Desh Bandhu Dogra Nutan, Sahitya Akademi Awardee, Dr. Sham Lal Raina, Former Editor Dogri Dictionary, JKAACAL Jammu, Mr. Yash Pal Nirmal, Editor Dogri Dictionary section JKAACAL Jammu, Dr. Anjana Sharma, Dept. of School Education Jammu, Dr. Vinod Choudhary, Dept. of School Education Jammu were the experts who attended the workshop.

Manipuri

Glossary Compilation Workshop - Phase III

(History, Maths, Philosophy, Pol.Science)

NTM had conducted a six day workshop for the preparation of Glossaries of History, Mathematics, Philosophy, Political Science in Manipuri language from 14th to 19th October, 2013, at SCERT, Lamphelpat, Imphal, Manipur.

In the inaugural session, Mr. Kh. Raghumani Singh, IAS, Director, Directorate of Language Planning and Implementation, GoM preside over the meeting. Mr. R. K. Nimai Singh, Commissioner, Art and Culture and Dr. Ch. Shilaramni Devi, Vice President, Handok Lup (Translators Forum) Manipur were present on the dias as Chief Guest and Guest of Honour respectively.

For History group, 9 experts including one Language expert and one linguist participated in the workshop. Padmashree R.K. Jhaljit Singh, Prof. S. Kunjabihari Singh, Dr. Th. Babachandra Singha, Prof. Kunjeshori Devi, Prof. N. Tombi Singh (Manipuri expert), Prof. N. Joykumar Singh, Prof. M. Jiten Singh, Prof. M. Loken Singh, Dr. A. Sharat Sharma (Linguist).



Dr. R.K Nimai, Commisioner, Government of Manipur lighting the lamp in the inaugural function

For Mathematics, Prof. Jayantakumar Singh, Prof. Ch Ibotombi Singh, Prof. Sambhu Singh, Dr. Y. Rohen, Dr. K. Anthony, M.S. Ningomba, Prof. M. Ranjit Singh, Prof. Rameshchandra Singh Haomom, Prof. Babu Singh, Aribam Kumar Sharma participated in the workshop.

For Philosophy, Prof. A. Mukta Singh, Prof. K. Sharat Sharma, Dr. H. Binodkumar Sharma, Prof. E. Dinamani Singh, Prof. Soyam Loken Singh, Prof. Nilamani Singh, Dr. Milan Meetei, Prof. Shyamkishore Singh, Prof. G. Ranjit Sharma took active part in the



Experts working in four different groups for compiling the Manipuri glossaries in History, Mathematics, Philosophy & Political Science

workshop.

For Political Science, Prof. S. Mangi Singh, L. Saratchandra Sharma, Dr. Dhanabir Laishram, Y. Prafulla Singha, Prof. H. Behari Singh, Prof. Ksh. Bimola Devi, Prof. W. Ibohal Singh, Prof. Sapam Rajen Singh, Dr. Kh. Loken Singh took part.

Experts tried their level best to give the appropriate terms from Manipuri vocabulary. Some words were coined and maximum were kept as it was in the SL. Since it is the first trial in Manipuri, experts suggested for transliterate in a readable spelling. It is also suggested that another workshop to be organized, so that the final draft is ready.

NTM staff Dr. H. Nirendra Singha, was the co-ordinator for the workshop.

Manipuri

Glossary Compilation Workshop - Phase IV

(Physics & Sociology)

NTM Mysore had organized the 'Second Workshop on compilation of Manipuri Glossaries in Physics and Sociology' at the CIIL, Mysore for ten days from 23rd October to 2nd November, 2013. The list of English technical terms of Physics was taken from the Physics glossary compiled by the Commission for Scientific and Technical Terminology (CSTT) while that of Sociology was developed by NTM from various sources including the Comprehensive Glossary of Technical Terms of Humanities and Social Sciences compiled by CSTT, as there was no glossary on Sociology disciple as a single entity has been compiled by CSTT till now.

This second workshop was the follow-up of the first workshop conducted for these subjects in Manipuri language. The objective was to provide Manipuri equivalents for the remaining source English technical terms of Physics and Sociology and to make the first draft of Manipuri Glossaries in Physics and Sociology disciplines. The first workshop was conducted in Manipur University, Imphal for six days from 18th to 24th July 2013 excluding Sunday, i.e 21st July 2013.

Eighteen experts comprising of nine physics, five sociology experts, two linguistics and two language experts participated in this workshop.

The workshop started with a warm welcome of the experts and introduction by Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director, NTM to the experts followed by self introduction of the experts. Prof. V. Saratchandran Nair talked about the activities of NTM briefly and shared his views to the experts.

The total number of terms given to the Physics experts was 30,055 and out of which 10,154 were identified as non-Physics

terms and hence, these terms were left by the experts while compiling the Manipuri Glossary in Physics. The remaining 19,901 terms were identified as the actual technical terms in Physics and the Manipuri equivalents for these terms were given by the experts by adopting techniques like coining, blending, transliteration, etc.

The total number of terms given to the Sociology experts is 12,085 out of which 2,187 were identified as non-Sociology terms. The remaining 9,898 terms were identified as the actual technical terms in Sociology and the Manipuri equivalents for these terms were given by the experts.

1. Manipuri Glossary in Physics

The compilation work of Manipuri Glossary in Physics was completed in this second workshop. This English-Manipuri Glossary in Physics will have 19,901 Physics technical terms in English and equivalent Manipuri terms.



Subject experts, linguist and language experts compiling the physics glossary in Manipuri



Dr. Pramodini Dr. Umavati, Dr. Sakhitombi, Dr. Suresh, Prof. Rajendra & Dr. Rajiya compiling the Sociology Glossary in Manipuri

Expert's name	No. of Terms Assigned	No. of Terms identified as Non- Physics Terms	No. of Manipuri Equivalents given by the Expert
1. Prof. Sh. Dorendrajit Singh	6,183	3,265	2,918
2. Prof. K. Yugindro Singh	3,113	960	2,153
3. Prof. Ch. Amuba Singh	3,069	1,321	1,748
4. Dr. K. Nabachandra Sharma	3,036	1,366	1,670
5. Dr. B. Indrajit Sharma	2,823	946	1,877
6. Mr. M. Bidyasagar	2,987	959	2,028
7. Mr. Ch. Rajendro Singh	3,081	258	2,823
8. Dr. S. Nabadwip Singh	2,981	758	2,223
9. Mr. M. Shomananda Singh	2,782	321	2,461
Total	30,055	10,154	19,901

Table 1 showing details of the assigned work done by the Physics Experts in the

2. Manipuri Glossary in Sociology

The compilation work of Manipuri Glossary in Sociology was also completed in this second workshop. The English-Manipuri Glossary in Sociology will have 9,898 Sociology technical terms in English and equivalent Manipuri terms.

Table 2 showing details of the assigned work done by the Sociology Experts in the Workshop

Expert's name	No. of Terms Assigned	No. of Terms identified as Non- Sociology Terms	No. of Manipuri Equivalents given by the Expert
1. Prof. Ksh. Rajendra Singh	2,032	153	1,879
2. Dr. Karam Suresh Singh	2,683	545	2,138
3. Dr. Thokchom Umavati Devi	2,722	350	2,372
4. Dr. Rajiya Shahani	1,916	173	1,743
5. Dr. S. Sakhitombi Devi	2,732	966	1,766
Total	12,085	2,187	9,898

On the concluding day, the Participation Certificates were distributed to the experts. Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director, NTM and the Manipuri team of NTM thanked all the experts for their valuable contribution towards making the workshop successful.

Urdu

Glossary Preparation Workshop In Urdu Language

A ten days glossary preparation workshop in Urdu language was organized by National Translation Mission, Mysore at Jamia Millia Islamia, New Delhi from Oct 23rd to November 1st, 2013. A total of 34 resource persons were invited to participate in the 10 days workshop. Political Science, Philosophy, Linguistics and Sociology terms list from CSTT prepared glossaries were taken for this workshop.

Prolific writer, the Poet, the Dramatist, the Critic and a translator, Dr. Shamim Hanifi, Prof. Emeritus of Jamia Millia Islamia was the keynote speaker for the inaugural function, whereas Prof. Akhtarul Wasey (Padam Shree) was the quest of honor, who is recognized as a distinguished academician, specialized in multi disciplinary study of Islam and Indian Muslims. He is an administrator of many institutions concerned with socio - cultural affairs of the Indian Muslims; Editor of four Journals of repute in English, Hindi and Urdu widely respected in the academic /intellectual circles, the world over about myriad aspects of Islamic thought and history. Prof. Asaduddin, Local Coordinator and Prof. A.R Fatihi (AMU) were the other dignitaries present on the dais.

NTM staff Dr. Abdul Halim briefed the experts about the need to have the technical terminology in Urdu language and the revision of the available glossaries which were not updated since last 3-4 decades, as the expansion of knowledge has been increased in this period, the new technical terms needs to be incorporated. He also briefed the vision of NTM.

The experts provided the Urdu equivalents by referring the glossaries prepared by NCPUL in Urdu. Some experts referred the Jamia Osmania's translations too, which were prepared by *Dar-ul-Tariuma* (Department of Translation) Jamia Osmania, Hyderabad. Resource persons tried to provide the most commonly/ frequently used Urdu terms for the technical terms which are in usage in print media. The participants have tried their level best to complete the selected terms in 10 days time. Experts have tried to make the glossary more users friendly and have decided to use the same in their writings, to make the terms much more popular with the Urdu speakers. In this workshop, terminologies related to subjects like Political Science-90 %, Philosophy-90%, Linguistics-95% and Sociology-75% were completed.

The experts suggested that, the soft copy of the final glossary may be sent to them for proofreading or one final vetting workshop can be organized for the same.

Prof. Zikrur Rahman Director, Indo-Arab Cultural Centre and Officiating Director, Centre for West Asian Studies, Jamia Milia Islamia University and former diplomat has facilitate the valedictory session and he briefed that his Centre has undertaken the task of translating works of famous Indian and Arab authors in Arabic and Indian languages. He also appreciated the initiative taken by NTM and offered help to NTM in their activities. Dr. Mohammad Anwar, NTM presented the summarized report of the workshop by delivering the vote of thank to all the experts, collaborators and facilitator of ten day workshop. NTM personnel Dr. Abdul Halim and Dr. Mohammad Anwar conducted this workshop.

Kannada

Glossary Editing Workshop

NTM had organized a five day Workshop on Editing of Technical Glossary for Sociology in Kannada from 28th October to 1st November, 2013 at NTM, CIIL, Mysore. This workshop was in continuation of the previous workshop which was on Finalization of Technical Glossary for Sociology in Kannada, held at CIIL, Mysore on 3rd Oct to 11th Oct 2013.

In the first phase the 8 Discipline Experts gave equivalent for 12082 terms provided by NTM which was compiled by the CSTT and terms from Sociology glossary prepared by the state bodies (Odia). The 2nd phase of the workshop was conducted to edit and finalize the Sociology glossary.

Two language experts and one discipline expert participated in the workshop:

- 1. **Prof. Indira R, Chairman,** DOS in Sociology, University of Mysore, Mysore.
- 2. **Prof. H.M. Maheshwaraiah,** Senior Fellow, Central Institute of Indian Languages, Manasagangotri.
- 3. Sri. Yadurajan, Rtd. Research Officer, CIIL, Mysore.

Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director of NTM, had a discussion with the experts regarding the glossary work. Dr. Indira raised some of the problems while finalizing the Sociology terms. She said that finalizing of the technical terms is very important before giving the Kannada equivalents. The list has some terms which do not come under Sociology domain; some of the terms belong to Zoology and Chemistry discipline etc. Some of the terms in the list are non technical terms and the list had many spelling mistakes with repetitions of terms.

The language experts Sri. Yadurajan and Prof. H. M. Maheshwaraiah scrutinized the list of 12082 Sociological terms, which 8 discipline experts had already provided Kannada equivalents.

The language expert thoroughly went through each term and made necessary changes wherever there was necessity of changing the equivalents. They discussed with Dr. Indira while scrutinizing



Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director-NTM discussing on sociology glossary in Kannada.

the list. Besides, providing necessary corrections they also went through the complete list. Finally the experts edited and finalized the Sociology list.

NTM staff Dr. L. Manjulakshi, Dr. R. Usharani and Sandya. G conducted the workshop.

Santali

Glossary Preparation Workshop

A ten days glossary preparation workshop for Santali Language was organized by NTM, CIIL- Mysore in committee Room No -1 from 4th November to 15th November 2013.

On the inaugural day, NTM project Director Prof. V. Saratchandran Nair welcomed the experts and briefed them about the translation scenario, about the importance of the workshop for the development of Santali language.

NTM personnel Mrs. Meenakshi Soren proposed vote of thanks to all.

The workshop was conducted for two disciplines, namely philosophy and



Workshop experts Prof. Sumitra Hembrom, Dr. Nicodumus Tudu, Prof. K. C. Tudu, Mr. Dukhia Tudu, Asst Prof.Thakur Prasad Murmu and NTM staff Mrs. Meenakshi Soren

Political Science in Santali language. This term list was taken from the other texts Odia and Punjabi glossaries which was done by CSTT, New Delhi.

A total number of 18 resource persons were invited for this 10 days workshop. The resource persons who attended the workshop were: Mr. Ishwar Marandi, Mr.Shushil kumar Marandi, Prof.Krishna Chandra Tudu, Mrs.Shuhagini Marandi, Mr. Sunil Kumar Hansda, Mr. Thakur prasad Murmu, Mrs. Meri Margrate Tudu, Dr. Dukhia Murmu, Mrs. Champawati Tudu and Dr. Nikudimus Tudu.

The total terms completed during this workshop are as follows:- Philosophy (9251) and Political Science (11157).

On the concluding day, CIIL Director

Prof. Awadesh Kumar Mishra distributed certificates to the experts

Kannada

Glossary Preparation Workshop

A four day workshop for preparing glossary in History and Political Science in Kannada from 6th to 9th November, 2013 at Kuvempu Institute of Kannada Studies (KIKS), University of Mysore, Manasagangotri, Mysore was conducted by NTM.

During the inaugural Session. Prof. V Saratchandran Nair, Project Director, NTM, inaugurated the workshop and said that this workshop is aimed at disseminating information on translation of various texts into Indian languages and creating knowledge based texts through translation. NTM also aims at generating high quality translation tools such as dictionaries, and thesauri, provide support for research and



Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director - NTM Prof. Muzaffar Assadi, Dept. of Political Science, UoM, Prof. N. M. Talawar, Director, KIKS, UoM, NTM staff Mr. Jnana Murthy B. R. & Dr. Nagaraju S. inaugurating the glossary workshop

development on software for translation, word-finders, translator education through short term orientation programmes, provide

accreditation for translators, and promote machine-aided translation.

Prof. Muzaffar Assadi, Department of Political Science, UOM, Mysore, in his Keynote speech said that many students and research scholars find it difficult to read good books in English. Therefore, we are here to develop glossaries in Kannada which would enable the academia to produce good books through translation.

Prof. N.M. Talawar, Director, KIKS, UOM, Mysore, who chaired the session, appraised NTM for carrying out such a pathbreaking activity. Dr. Nagaraju S. welcomed the guests and Mr. Jnana Murthy. B.R. explained the activities of NTM.

09 History experts, 13 Political Science experts and 4 language experts were involved in the workshop. The complete list of experts is as follows:

Language Experts:

Dr. R. Ramakrishna, Chairman, Dept. of Linguistics, KIKS, University of Mysore, Mysore, Dr. Manjunath M.G., Prof. of Kannada, PG Campus, Hemagangotri, Hassan, Sri. S. Rajendrappa, Editor, Karnataka Gazetteer, Cavuery Bhavan, Bangalore, Sri. Jahagirdar, Editor, Dept. of Manuscript, KIKS, University of Mysore, Mysore

History:

Dr. Shivanna, Rtd. Prof. of History, University of Mysore, Manasagangotri, Mysore, Dr. Narendra Prasad, Asso. Prof. of History, JSS Women's College, Mysore, Dr. T. G. Chandrashekarappa, Prof. of History, Sahyadri Arts College, Shivamogga, Dr. Krishna Murthy, Rtd. Prof. of Ancient History and Archeology, UOM, Mysore, Dr. Shaik Masthan, Prof. of History, Bangalore University, Bangalore, Dr. Shadaksharaiah, Prof. of History, Bangalore University, Bangalore, **Dr. Raju B.L.**, Asst. Prof. of English, IGCG, Sagar, Shivamogga, **Dr. Gurusiddaiah**, Asst. Prof. of History, University of Mysore, Manasagangotri, Mysore, **Dr. Mahesh Patil**, Asst. Prof. of History, Karnatak Arts College, Dharwad.

Political Science:

Dr. Muzafir H. Asadi, Prof. of Political Science., University of Mysore, Mysore, Dr. Ramachanrdappa, Prof. of Political Science., University of Mysore, Mysore, Dr. Krishna Hombal, Asst. Prof. of Pol. Sci., University of Mysore, Manasagangotri, Mysore, Dr. S. Nagendra, Asst. Prof. of Pol. Sci. JSS Women's College, Mysore, Dr. Ramanna, Asso. Prof of Pol. Sci. Bangalore University, Bangalore Dr. Siraj Ahmed, Asso. Professor of English, Sahyadri Arts college, Shivamoqga, Dr. G.Shnkara Bhat, Asso. Prof. of Pol. Sci., Dr. A. V. Baliga College of Arts & Science, Kumta, Dr. Aditya G. Bhat, Asst. Prof. of Pol. Sci., Alwa's College, Moodabidri, Dr. N.R. Balikayi, Prof. & Principal, SJMV Mahantha Arts & Commerce College, Dharwad, Dr. Hullannanavar, Prof. & Head, Pol. Sci., Karnatak Arts College, Dharwad, Dr. M.S. Patil, Asst. Prof. of Pol. Sci., Karnatak Arts College, Dharwad, Smt. Yamuna Konesar, Dept. of Pol. Science, GFG College, Bankapur, Haveri, Dr. Narasimha Murthy, Asso. Prof. of Pol. Sci. Bangalore University, Bangalore

In the workshop, Kannada equivalents for more than 7,000 source terms for History and 8,000 terms for Political Science were given. Since this is a continuation of the Glossary Workshop held at Sahyadri Arts college, Shimoga, we could complete the task in stipulated time. The Kannada equivalents for both the subjects are ready and need to be reviewed once, before publication.

The workshop concluded on 9th November, 2013 at 4.00. Prof. N. M. Talawar, Director, KIKS, UOM, Mysore, presented the experts with 'Letter of Appreciation' for their contribution to NTM. Dr. Nagaraju S. thanked all the experts on behalf of NTM. NTM staff Dr. Nagaraju S and Jnana Murthy B R coordinated the workshop.

Assamese

Glossary Preparation Workshop

NTM had organised a five day workshop for preparing glossary in History and Political Science in Assamese from 11th to 15th November, 2013 at NTM, CIIL, Mysore.

NTM Project Director, Prof. V Saratchandran Nair welcomed all the experts. He introduced the experts to various kinds of NTM activities and emphasised how translation is crucial for knowledge dissemination as well as language development.

4 History experts, 5 Political Science experts and 4 language experts have participated in the workshop.

The complete list of experts is as follows:

Prof. P. N. Duttabaruah, Professor cum Deputy Director (Rtd.), CIIL, Mysore, Dr. Jogendra Kumar Das, Associate Professor, Dept of Pol Sc, Dakhin Kamrup College, Assam, Dr. Bhaskarjyoti Sharma, Asst. Professor, Dept of Assamese, Dibrugarh University, Assam, Dr. Biswajit Das, Asst. Professor, Dept of Assamese, Nowgong Girls' College, Assam, Mr. Imran Hussain, Associate Professor, Dept of Pol Sc, Sipajhar College, Darrang, Assam, Mr. Bakul Chandra Patar, HoD & Associate Professor, Dept of Pol Sc, Sibsagar College, Assam, Mr. Dibyajyoti Dutta, Asst. Professor, Dept of Pol Sc, Dibrugarh University, Assam, Mr. Atanu Gogoi, Asst. Professor, Dept of History, NL College, Lakhimpur, Assam, Ms. Namita Devi, Asst. Professor, Dept of History, Barbhag College, Nalbari, Assam, Mr. Phanidhar Mech, Asst. Professor, Dept of History, BHB College, Borpeta, Assam, Mr. Utpal Saikia, Asst. Professor, Dept of Assamese, Kalabari College, Sonitpur, Assam, Mr. Arup Kumar Medhi, Asst. Professor, Dept of History, Chhaygaon College, Chhaygaon, Assam, Mr. Diganta kolita, Asst. Professor, Dept of Pol Sc, Bimala Prasad Chaliha College, Assam

During the workshop, Assamese equivalent for more than 12,100 source terms for History have been compiled out of total 16,000+ terms with a success rate of 74%. In case of Political Science, out of total 13,000+ terms, Assamese equivalent for more than 11,700 source terms have been completed with a success rate of 89%.

During the concluding day, Prof. Duttabaruah, a senior expert and NTM staff Biswadip Gogoi, Coordinator of the programme had presented the experts with '*Letter of Appreciation*' for their service to NTM. The programme formally ended with Biswadip Gogoi thanking all the experts for extending their helping hand to NTM initiatives.

Telugu

Glossary Preparation Workshop

NTM had organized a 5 day Glossary preparation workshop in NTM-CIIL Mysore, from 12th to 16th November, 2013. The purpose of this workshop is to provide equivalents in Telugu for the English technical terms of Political Science. Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director, NTM inaugurated the workshop, and explained the importance of the Glossaries for translating knowledge texts into 22 Indian Languages. These Glossaries will facilitate the translators of NTM and also for the academicians in the country. The information on the achievements of NTM and conducting similar kind of workshops across the country in Indian languages were also explained in detail. Among the six



Prof. V. Saratchandran Nair, Project Director-NTM inaugurating the Political Science glossary workshop in Telugu language at CIIL, Mysore

experts, one expert worked for four days and the rest five members worked for five days.

In the valedictory session, Prof. M. Balakumar AD(A) appreciated all the participants for the their hard work. He received their feedback on this workshop and distributed certificates. The experts suggested that there are spelling mistakes, repetitions and archaic words in the source file Head words. NTM may also initiate the "Encyclopedia of Political Science" for which experts are ready to contribute, at least a paragraph description of each concept/term help the students of rural that really background. The words from Latin, German are also found in the terminology list. NTM staff Dr. P. Matthew proposed Vote of thanks. The experts provided equivalents in Telugu for 10,000 technical terms.

The following participants took part in the workshop:

Dr. Gunti Ravinder, Head, Dept of

Political Science, Dr. B. R. Ambedkar Open University, Hyderbad, Dr. P. Venkata Ramana, Head, Dept. of Political Science, Govt. Degree College, Chevella, Dr. A. Hariprasad, Head, Dept of Political Science, Kakatiya University, Warangal, Mr. M. Prabhakar (Professional Translator, Hyderabad Book Trust, Mr. N. Venugopal Rao, (Editor, VeekshaNam - Telugu Monthly, Prof. Ravindra Sastry, Dean, Social Sciences

, Dept of Political Science, Osmania University, Hyderabad, **Dr. P. Matthew**, NTM, CIIL, Mysore.

Marathi

A Workshop for Preparation of Glossaries in Marathi

The workshop started with a welcome address by Dr. Kalika Mehta, Principal I/C, WRLC(of CIIL), Pune followed by a brief introduction about NTM by Ms. Anita Kore, RP-Academic (Marathi)- where she acquainted the participants about the functioning of NTM and its role in making India a knowledge society by developing/making an Industry of translation. She discussed the importance of glossaries in systematizing the act of translation. The workshop was held from 16th to 23rd November, 2013, at Western Regional Language Centre (WRLC), Deccan College, Yerwada, Pune, Maharashtra.

For this particular cause- the glossary prepared in Hindi language by CSTT for Philosophy & History disciplines was chosen. The experts were chosen from various regions of Maharashtra to bring out the regional balance in the terminology. 20 experts participated in the workshop (for Philosophy 8 experts & for History 12 experts). **Philosophy:** A list of 8,003 terms prepared by CSTT was provided to the Philosophy experts. Following is the Statistical analysis for the same: Out of 8,003, the experts could identify 7,800 terms as subject related technical terms. These 7,800 terms have received 16,030 equivalents in Marathi.

History: A list of 15,256 terms provided by CSTT was provided to the History experts out of which, they could identify 12,256 technical terms. The number of equivalents in total is 25,935.

After the discussion with the experts, it is found that they were not satisfied with the term list/s provided to them. According to them, the terms-to-be-rendered were out of context, and it was difficult to provide equivalents for such out of context terms, though a parallel term for each identified word has been given by them. So, a translator, while translating, will have to take into consideration the given context and also expected shades of meaning. Likewise, they felt that many terms were irrelevant considering the History Curriculum in India and world as many basic concepts pertaining to the history of India and World were missing in the list. It needs to be taken into account that Indian History has its own vocabulary as well as a variety of historiographical perspectives.

Philosophy experts too felt that the words pertaining to Indian philosophy were missing in large, majority of the terms were taken from Western Philosophy. The list also carried some spelling errors and wrong words. So, the collected terms be reviewed and strengthened in future. The glossary prepared in this workshop needs to be edited carefully in the validation/editing workshop.

In the end, the experts appreciated the efforts of NTM in building intellectual resources for vernacular medium students. NTM personel Ms. Anita Kore and Seby Fernandes conducted this workshop.



Participants of the glossary preparation workshop in Marathi for History and philosophy disciplines along with NTM personel Ms.Anita Kore at Western Regional Language Centre, Deccan College, Pune-Maharashtra.



Participants of History Glossary preparation team of Marathi language at Western Regional Language Centre, Deccan College campus, Pune.

Odia

Workshop on Preparation of Glossaries in Odia

Workshop on preparation of glossaries in Odia was held from 20th to 26th November, 2013 in the seminar hall, Regional Institute of Education, Bhubaneswar, Odisha. This workshop was woven around the terminologies in History, Political Science and Philosophy. There were ten resource persons (discipline as well as language) who provided Odia equivalents for the English terms in the abovementioned disciplines.

In History section, the experts completed around 3000 terms. In Philosophy, the experts completed 2800 terms. In Political Science, the experts managed to completed 4723 terms.

It was an industrious workshop. Although the duration of the workshop was short, it was successful. There were many new words in these lists of terminologies for which the resource persons needed more reference materials. In many places new Odia words were coined. Most of the resource persons felt that there was a need of home work to be done before starting such huge and complex task. They suggested that before the commencement of the workshop, the material should be given. So that in workshop, all the terms should be discussed and finalized. The experts were provided existing supportive glossaries and English Odia dictionaries which helped them in providing equivalents. But the listed terms were as such that, they also expressed the need for encyclopedia and glossaries in Hindi and Bengali languages. There were some typographical errors which they themselves corrected in the workshop.

The organizing team felt that another workshop of 8-10 days will help NTM to complete the remaining terms in History, Political Science and Philosophy disciplines. NTM personnel Ms.Jhuni Mallick and Mr. Aditya Kumar Panda conducted the workshop.